यूपी देश का पांचवा सबसे बड़ा... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

उर्वशी रौतेला ने एआई कंपनी... 11

वर्ष - 02, अंक - 183 | गाजियाबाद / सोमवार 05 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

डीएमके ने छोड़ा साथ तो तमिलनाडु में कांग्रेस को मिला नया साथी

● इंडिया गठबंधन में शामिल हो गई मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अगुवाई वाली टीवीके ने शनिवार को इंडिया गठबंधन में औपचारिक रूप से शामिल होने की प्रक्रिया पूरी की। पार्टी के दो मंत्रियों ने चेन्नई में कांग्रेस मुख्यालय, सत्यमूर्ति भवन में गठबंधन की बैठक में हिस्सा लिया। दो घंटे चली इस बैठक में टीवीके के महासचिव और

मंत्री आदव अर्जुन और वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। इस साल तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के बाद डीएमके ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। गठबंधन ने एसआईआर के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जिला स्तरीय प्रदर्शन करने का फैसला किया था। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने कहा, टीवीके इंडिया गठबंधन में शामिल हो गई है। उन्होंने इसे गठबंधन के लिए एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि बैठक में विजय के इस फैसले का स्वागत करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया।

फिर घर-घर जाएंगे बीएलओ होगा एसआईआर सत्यापन

● शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक काम में लगाने से बढ़ी नाराजगी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के तहत एक बार फिर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर सत्यापन का काम करना पड़ सकता है। एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और मौजूदा सूची का मिलान करने के बाद छूटे मतदाताओं की सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद बीएलओ संबंधित लोगों के घर जाकर उनकी मौजूदा स्थिति का सत्यापन करेंगे। इस काम में स्कूल शिक्षकों को फिर बीएलओ के

रूप में लगाने की आशंका से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। शिक्षकों का कहना है कि पिछले वर्ष नवंबर से एसआईआर का काम शुरू होने के बाद से ही कई स्तर पर पढ़ाई प्रभावित हुई। इसके बाद 2026 की शुरुआत में उच्च माध्यमिक परीक्षा और फिर विधानसभा चुनाव से जुड़ी जिम्मेदारियां भी शिक्षकों को दी गईं। अब एसआईआर का काम पूरा होने के बाद जनगणना संबंधी जिम्मेदारी और फिर बीएलओ का काम मिलने की आशंका है। शिक्षकों का कहना है कि दुर्गापूजा की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलते ही विभिन्न कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होंगी।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भारतीय पायलट से की बात

● प्रधानमंत्री मोदी के साथ मशाल जलाने का दिया न्योता ● स्मित बोले-हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया।

घायल होने के बावजूद बहादुरी से किया संघर्ष

कॉकपिट के फर्श पर खून से लथपथ पड़े कैप्टन स्मित को तेज हवाओं की आवाजें और यात्रियों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने खुद से कहा कि अगर वे इस आखिरी वक्त में हिम्मत नहीं जुटा पाए, तो उनकी और विमान में मौजूद सभी लोगों की जान चली जाएगी। बची हुई पूरी ताकत झोंककर वे उठे, हर बाधा से लड़ते हुए दरवाजे तक पहुंचे और उसे खोल दिया। बाहर केबिन क्रू और यात्री पहले से मुस्तैद थे, जो तुरंत कॉकपिट में घुसे और हमलावर को काबू में कर लिया।

इमरजेंसी कुल्हाड़ी से सिर पर लगातार वार

कैप्टन स्मित ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि विमान में कोई बहुत बड़ी तकनीकी खराबी या बड़ा नुकसान हुआ है। लेकिन इसके तुरंत बाद उनके सिर पर लगातार कई और जोरदार वार किए गए, तब उन्हें समझ आया कि विमान की खराबी नहीं बल्कि कॉकपिट में मौजूद दूसरा पायलट ही हमला कर रहा है। शुरुआती हमलों के कारण उनकी आंखों के आगे अंधेरा छा गया और सब कुछ धुंधला दिखाई देने लगा। इसी दौरान उन्हें अहसास हुआ कि विमान बहुत तेजी से सीधे नीचे की तरफ गिर रहा है। उन्होंने एक बार कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन हमलावर ने उसे तुरंत दोबारा बंद कर दिया।

'नीट' मामले में सीबीआई की फाइनल चार्जशीट जल्द

एनटीए अधिकारियों का नाम नहीं होगा शामिल, 13 निजी व्यक्ति हैं आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन एक हफ्ते के अंदर नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट 2026 पेपर लीक मामले में अपनी दूसरी और आखिरी चार्जशीट दाखिल करने वाली है लेकिन इसमें केंद्र सरकार या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के किसी अधिकारी को आरोपी बनाए जाने की संभावना नहीं है।

रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि सीबीआई की जांच में सिर्फ 13 लोगों की भूमिका का पता चल पाया है, जिनमें एनटीए के नियुक्त विषय विशेषज्ञ, कोचिंग सेंटर चलाने वाले, बिचौलिए और उम्मीदवार शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा, एजेंसी अपनी आखिरी चार्जशीट में किसी भी सरकारी अधिकारी जिसमें एनटीए के पदाधिकारी भी शामिल हैं को आरोपी नहीं बनाएगी। पेपर लीक से जुड़े हालात की जांच में प्राइवेट लोगों के अलावा किसी और की भूमिका साबित नहीं हुई। एक दूसरे अधिकारी ने कहा,इसके साथ ही नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की हमारी जांच पूरी हो जाएगी। 3 मई को परीक्षा और 21 जून को दोबारा परीक्षा देने वाले शशांक मौर्य ने कहा, एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना नीट का पेपर लीक नहीं हो सकता था।

सीबीआई की चार्जशीट में 13 आरोपियों के नाम शामिल

पेपर लीक मामले में पहली चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई, जिसमें 13 आरोपियों के नाम शामिल हैं। इनमें एनटीए द्वारा नियुक्त तीन विषय विशेषज्ञ भी हैं बॉटनी और जूलॉजी के लिए मनीषा गुरुनाथ मंधारे, केमिस्ट्री के लिए प्रह्लाद विट्ठलराव कुलकर्णी और फिजिक्स के लिए मनीषा संजय हवलदार। सीबीआई ने तब कहा था कि उसने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, गवर्नमेंट एग्जामिनर ऑफ क्वेश्चन्ड डॉक्यूमेंट्स और दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स की राय वाली रिपोर्ट जमा करने के लिए दूसरे साजिशकर्ताओं की भूमिका की जांच खुली रखी थी। इसके बाद एजेंसी ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर कोचिंग सेंटरों के जरिए पेपर लीक का फायदा उठाने का आरोप है। एक अधिकारी ने कहा, इन तीनों लोगों की भूमिका और फोरेंसिक विशेषज्ञों की जांच के नतीजे, अंतिम चार्जशीट में विस्तार से बताए जाएंगे, जिसे हम एक हफ्ते के अंदर दाखिल करेंगे। यह पता लगाने के लिए गहन जांच की गई कि क्या इस लीक में एनटीए का कोई अधिकारी या कोई अन्य सरकारी अधिकारी शामिल था, लेकिन ऐसी कोई संलिप्तता नहीं पाई गई।

हवा में बना अभेद्य सुरक्षा घेरा क्वांटम कंप्यूटर भी होंगे फेल

भारत की 'वैदिक कवच' तकनीक ने रच दिया नया इतिहास!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में ऐसी कामयाबी हासिल कर ली है जिसे कोई भी बड़े से बड़ा सुपरकंप्यूटर या हैकर भेद नहीं सकेगा। दरअसल देश में पहली बार वायरलेस तरीके से 5.56 किलोमीटर की दूरी तक फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन यानी कि क्यूकेडी का सफल परीक्षण किया गया है। यह कारनामा क्यूएनयू लैब्स, बिसाग-एन और आईआईटी गांधीनगर ने मिलकर किया है। आने वाले समय में जब क्वांटम कंप्यूटर्स के आगे लगभग सभी पासवर्ड और मौजूदा इंटरनेट सुरक्षा फीकी पड़ जाएगी, तो यह स्वदेशी तकनीक भारत के बैंकों, सेना और जरूरी डेटा को पूरी तरह से सुरक्षित रख सकेगी।

आसान भाषा में समझें, तो यह एक गुप्त चाबी बनाने जैसा है, जो दो लोगों के बीच वायरलेस तरीके से भेजी जाती है। उदाहरण के लिए आप कोई जानकारी बक्से में बंद करके किसी को भेजें और उस बक्से की चाबी को वायरलेस तरीके से दूसरे शख्स तक पहुंचाएं, तो रास्ते में कोई चाह कर भी उसकी चाबी को हथिया नहीं पाएगा और जानकारी पूरी तरह से सुरक्षित रहेगी। इस तकनीक की एक खासियत और है कि अगर कोई किसी तरह वायरलेस तरीके से भेजे जाने वाली की या चाबी तक पहुंच बनाता भी है, तो वह अपने आप ही नष्ट हो जाएगी। इसके अलावा चाबी भेजने और पाने वाले दोनों को तुरंत पता चल जाएगा कि किसी ने चोरी की कोशिश की है। क्यूकेडी यानी कि फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन इसी तरीके से काम करती है और इसे विज्ञान में क्वांटम सुरक्षा कहते हैं, जिसे कभी चुराया या हैक नहीं किया जा सकता।

रात में हुआ 5.56 किमी का सफल परीक्षण

रिपोर्ट्स के मुताबिक (REF.), QKD तकनीक के ट्रायल को 27-28 सितंबर की रात को बिसाग-एन और आईआईटी गांधीनगर के बीच हवा में लेजर बीम के जरिए किया गया। इसमें क्यूएनयू लैब्स का भी इस्तेमाल हुआ।

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फार्मा फैक्ट्री पर हमला

● रूस ने ड्रोन से निशाना बनाया, 1 की मौत, 400 करोड़ का नुकसान

कीव (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रोन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का हल्लाबोल

मुंबई में किया प्रदर्शन, बोले-सीईसी बीजेपी का हथियार हैं

मुंबई (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में

● इस्तीफा मांगा, सीईसी के खिलाफ तीन दिन में तीन प्रदर्शन

हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का

आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी,ये फैसला जनता को तय करना है, आयोग को नहीं।

यहां तानाशाह को उखाड़ फेंकने के लिए आए हैं'

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि हम सभी आज यहां पर तानाशाह को ही उखाड़ फेंकने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी वोटर्स को बाहर किया गया है। बंगाल में अभी भी उपचुनाव चल रहा है और लोगों ने वोट देने का अधिकार पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमिश्नरों के अपॉइंटमेंट पर मेरे मन में सवाल है। इलेक्शन कमीशन को इलेक्शन के जरिए अपॉइंट किया जाना चाहिए। पहले एक कमेटी थी जिसमें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, प्राइम मिनिस्टर और लीडर ऑफ द अपोजिशन होते थे, लेकिन उन्होंने (केंद्र सरकार) चीफ जस्टिस को इस कमेटी से हटा दिया गया।

महागठबंधन में फ्रेंडली फाइट तो जेडीयू में अंतर्कलह

बिहार एमएलसी चुनाव: विधायक अनंत सिंह से तेवर से दिलचस्प हुआ मुकाबला

पटना (एजेंसी)। चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन या विपक्षी दल भले ही एकजुट नजर आ रहे हों, लेकिन बिहार में विधान परिषद चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की तस्वीर अलग दिखाई दे रही है। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव में राजद और कांग्रेस के उम्मीदवार कई सीटों पर आमने-सामने हैं। वहीं, जन सुराज ने सभी आठ सीटों पर उम्मीदवार उतारकर मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। बिहार विधान परिषद की चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी।

एनडीए ने चार-चार सीटें भाजपा और जदयू के बीच बांटी

एनडीए ने अपने हिस्से की चार-चार सीटें भाजपा और जदयू के बीच बांटी हैं। जदयू ने पटना स्नातक सीट से नीरज कुमार समेत चार उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भाजपा भी चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महागठबंधन में सीटों का तालमेल हालांकि पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा है। राजद ने छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, जबकि कांग्रेस ने पांच सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। कोसी स्नातक, दरभंगा स्नातक और पटना स्नातक सीट पर दोनों दलों के उम्मीदवार आमने-सामने हैं।

राजद और कांग्रेस के बीच चुनावी टकराव

वहीं दरभंगा शिक्षक और पटना शिक्षक सीट पर राजद ने उम्मीदवार नहीं उतारा है और यहां कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में हैं। महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच चुनावी टकराव नया नहीं है। 2025 के विधानसभा चुनाव में भी कई सीटों पर सहयोगी दलों के प्रत्याशी आमने-सामने आए थे। इसे कई जगह फ्रेंडली फाइट कहा गया था। इस बार जन सुराज ने सभी आठ सीटों पर प्रत्याशी उतारकर मुकाबले को त्रिकोणीय और बहुकोणीय बनाने की कोशिश की है। पटना स्नातक सीट पर डॉ. अनुज सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। उनके सामने एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार हैं। इस सीट पर जदयू के भीतर का विवाद चुनाव को और दिलचस्प बना रहा है।

बीजेपी ने दो नए राज्यसभा उम्मीदवारों का किया ऐलान

उत्तराखंड से दिनेश आर्य तो बंगाल से कोयल मल्लिक मैदान में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को उत्तराखंड में 2026 के राज्यसभा (द्विवार्षिक) चुनाव के लिए दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक को अपना उम्मीदवार बनाया है। उत्तराखंड से मौजूदा राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल का कार्यकाल पूरा हो रहा है जिसके चलते

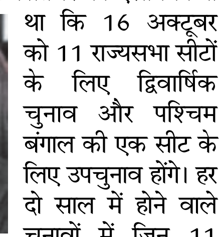

उपचुनाव की जरूरत पड़ी। एक्ट्रेस से नेता बनीं रुक्मिणी मल्लिक, जिन्हें कोएल मल्लिक के नाम से भी जाना जाता है, हाल ही में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई हैं। उन्होंने इस साल जुलाई में तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिससे वह सीट खाली हुई। चुनाव आयोग ने 22 सितंबर को एलान किया था कि 16 अक्टूबर को 11 राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव होंगे। हर दो साल में होने वाले चुनावों में जिन 11 सीटों पर वोटिंग होनी है, उनमें से 10 उत्तर प्रदेश से और एक उत्तराखंड से है। पश्चिम बंगाल में चुनाव ऊपरी सदन (राज्यसभा) में खाली हुई एक सीट को भरने के लिए होगा।

महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा

इससे पहले दिन में, बीजेपी ने महाराष्ट्र विधान परिषद के आगामी चुनाव के लिए टीचर्स और ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्रों से अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। बीजेपी ने पुणे डिवीजन ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र से स्मिता योगेश जाधव, नागपुर डिवीजन ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र से सुधाकर विट्ठलराव कोहले और पुणे डिवीजन टीचर्स निर्वाचन क्षेत्र से कौस्तुभ मुरलीधर गावड़े को मैदान में उतारा है। यह घोषणा चुनाव वाली पांच सीटों के बंटवारे पर सत्ताधारी गठबंधन के भीतर चर्चा के बाद की गई है।

मुस्लिम वोटर्स के नाम हटाने के मामले में बीजेपी नेता को मिली सशर्त जमानत

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट से नाम हटाने के मामले में सियासी घमासान मचा है। इस मामले में बीजेपी नेता डॉ. रवि पाटिल को गिरफ्तारी से राहत मिल गई है। बेलगावी की दूसरी अतिरिक्त जिला और सत्र कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी है। डॉ. रवि पाटिल पर 198 मुस्लिम वोटर्स के नाम एसआईआर के जरिए डिलीट कराने का आरोप था। इस मामले में पाटिल समेत 20-25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पाटिल के खिलाफ मार्केट पुलिस स्टेशन में वार्ड 12 के बीएलओ की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया था। केस दर्ज होते ही रवि पाटिल अंडरग्राउंड हो गए थे। मार्केट पुलिस स्टेशन में रवि पाटिल, प्रशांत मुंदिनमनी और शंकर नायक समेत 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन पर फर्जी दस्तावेज, गलत जानकारी देने और शहर में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश का आरोप है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह घटना 22 सितंबर को बेलगावी के वीरभद्रनगर में पोलिंग बूथ 195 और 196 पर हुई थी। आरोप है कि उन्होंने जीवित और कानूनी रूप से वैध वोटर्स के नाम डिलीट कराने की कोशिश की थी। उन पर फॉर्म-7 के जरिए नाम हटवाने का आरोप है।

फिरोजाबाद में जमीन विवाद में महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, जेठ पर आरोप

फिरोजाबाद(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में नौ बीघा जमीन के विवाद में 38 वर्षीय महिला की हत्या का मामला सामने आया है। नगला खंगर थाना क्षेत्र के कोरारी खेड़ा गांव में सोनी की खेत में घास काटने के दौरान कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतका के जेठ नेपाल सिंह पर हत्या का आरोप है। वारदात के बाद से वह फरार है। पुलिस के अनुसार, मृतका के भाई अमृतलाल ने शिकायत में जमीन विवाद को हत्या की वजह बताया है। आरोप है कि नेपाल सिंह अपने छोटे भाई के हिस्से की नौ बीघा जमीन पर कब्जा करना चाहता था। सोनी खेत की देखरेख करती थी और वहां काम करने जाती थी। इसी बात को लेकर विवाद होने का आरोप लगाया गया है। परिजनों के मुताबिक, सोनी के पति संदीप की एक हादसे के बाद मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए वह खेती की जिम्मेदारी संभालती थी। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की और नेपाल सिंह के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया। सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

ओवैसी की चेतावनी : हैदराबाद में जंतर-मंतर से बड़ा होगा आंदोलन

हैदराबाद(एजेंसी)। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मतदाता सूची से लोगों के नाम गलत तरीके से हटाए जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार से जुड़े लोग फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर मतदाता सूची से अल्पसंख्यकों और अन्य कमजोर वर्गों के मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि कुछ जगहों पर पहले से छपे हुए फॉर्म-7 जमा किए जा रहे हैं, जिनमें केवल उस व्यक्ति का नाम लिखा होता है जिसका नाम मतदाता सूची से हटाने की मांग की गई है, लेकिन फॉर्म जमा करने वाले व्यक्ति का नाम और उसकी जानकारी नहीं दी जाती है। उन्होंने इसे पूरी तरह से गलत और लोकतंत्र पर हमला बताया।

पुलिस ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाह रही जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पत्रकार से छेड़छाड़ के आरोपों पर कॉकरोच जनता पार्टी के सह संयोजक सौरभ दास ने दिल्ली पुलिस और एसीपी पर हमला बोला। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर एसीपी को बचाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने के लिए चेतावनी भी दी है। सौरभ दास ने दावा किया है कि जिनके साथ छेड़छाड़ हुई, वे पत्रकार और अन्य लोग थाने के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। वे एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे थे, लेकिन तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हम उनके समर्थन के लिए पहुंचे और दिल्ली पुलिस से बात की। दिल्ली पुलिस अड़ी हुई है कि वे एफआईआर दर्ज नहीं करेंगे। सौरभ ने कहा कि हम दिल्ली पुलिस से पूछना चाहते हैं कि आप ऐसे दरिंदे को क्यों बचाना चाहते हैं जिसने सबके सामने यौन उत्पीड़न किया है। ऐसा क्या है एसीपी विवेक भगत के पास जिसकी वजह से उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। सौरभ ने बताया है कि उन्होंने दिल्ली पुलिस को सोमवार दोपहर तक का समय दिया है। एफआईआर दर्ज ना होने पर उन्होंने फिर एक बार प्रदर्शन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली पुलिस से कहा है कि आपको जितने वीडियो खंगालने है, खंगालिए लेकिन आपके पास कल 12 बजे तक का समय है। अगर कल 12 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो सारे पत्रकार और अन्य समर्थक एक बार फिर थाने के बाहर आएंगे और एफआईआर की कॉपी लेकर ही जाएंगे। वहीं अन्य एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस विवेक भगत को बचा रही है और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर रही है। उन्होंने लिखित शिकायत और वीडियो की जांच करने के लिए हमसे कुछ समय मांगा है।

सचिन पायलट ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा- कांग्रेस प्रचंड बहुमत से बनाएगी सरकार

-पंजाब सरकार पर गैंगस्टरों और नशे पर लगाम लगाने में नाकाम रहने का आरोप

चंडीगढ़, एजेंसी।
कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और नशे की समस्या को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। पायलट ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है और पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

सचिन पायलट ने कहा कि पंजाब में गैंगस्टर आए दिन लोगों को धमका रहे हैं और गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने नशे की समस्या को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, एक ओर भाजपा नशामुक्ति यात्रा निकाल रही है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आने वाली नशीले पदार्थों की खेप रोकने में केंद्र सरकार नाकाम रही है। कांग्रेस नेता ने रक्षा मंत्री और गृह मंत्री से सवाल किया कि पिछले 12 वर्षों में सीमा पर नशे की तस्करी के खिलाफ कितनी कार्रवाई हुई और कितने लोगों को पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि सीमा पार से होने वाली तस्करी रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। पायलट ने दावा किया कि प्रभावी कदम उठाए गए होते तो पंजाब में नशे के हालात इतने खराब नहीं होते।

राजस्थान के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पायलट ने अपने गृह राज्य में भी सूखे जैसे हालात पर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि मानसून की कमी के कारण लोग संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाए। उनके अनुसार, सरकार को स्थिति बिगड़ने का इंतजार करने के बजाय पहले से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए थी।

पायलट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरी' कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पहले नोटबंदी की और अब 'वोटबंदी' कर रही है। ये आरोप कांग्रेस नेता ने राजनीतिक बयानबाजी के दौरान लगाए हैं।

पश्चिम बंगाल में छह महीने के भीतर यूसीसी लागू करने का ऐलान

-सीएम सुवेंदु बोले- जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ बनेगा सख्त कानून

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को राज्य में छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और गुजरात के बाद पश्चिम बंगाल में भी इसे लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ सख्त कानून बनाने की बात भी कही। अधिकारी ने 17 नवंबर को कोलकाता में हनुमान चालीसा पाठ और 29 दिसंबर को ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में गीता पाठ आयोजित करने की जानकारी दी। वह नंदीग्राम उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ के समर्थन में निकाले गए पैदल मार्च में बोल रहे थे। हसीरानी रथ, अधिकारी के दिवंगत करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की मां हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भाजपा नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने के लिए सीआईडी के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान ममता बनर्जी की पैर की चोट को लेकर भी सवाल उठाए। अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता हटने के बाद वह कानून के तहत जरूरी कदम उठाएंगे। उन्होंने कथित पीड़ित भाजपा कार्यकर्ताओं को कानूनी मदद दिलाने की बात कही।

महिला पर जानलेवा हमला करने का आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कोतवाली मंगलौर पुलिस ने ग्राम नाथूखेड़ी निवासी महिला की माता पर जान से मारने की नीयत से हमला करने के मामले में नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार घटना के संबंध में महिला की शिकायत पर शुभम कुमार पुत्र कृष्णपाल निवासी ग्राम जाटोला, थाना देवबंद, जनपद सहारनपुर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए थे। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी मंगलौर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर ने पुलिस टीम गठित कर आरोपित की तलाश शुरू की। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपित लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर दबिश देकर उसकी तलाश की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 3 अक्टूबर 2026 को मुकदमे में नामजद आरोपित शुभम कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बताई गई मोटरसाइकिल और एक गमछा भी बरामद किया है। बरामद मोटरसाइकिल स्प्लेंडर बताई गई है। पुलिस ने आरोपित को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रविंद्र जोशी, कांस्टेबल रणवीर और कांस्टेबल लाल सिंह शामिल रहे।

15 अक्टूबर तक हरिद्वार की सड़कें होंगी गड्ढामुक्त, जिलाधिकारी ने धरातल पर उतरकर परखी व्यवस्था

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में जनपद की सड़कों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गड्ढामुक्त करने के अभियान को गति देने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित रविवार को स्वयं धरातल पर उतरे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ चंडी चौक, चंडी पुल, आयरिश पुल, बैरागी कैंप, दक्षद्वीप सहित विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर सड़क मरम्मत, डामरीकरण और पेंचवर्क कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को 15 अक्टूबर तक सभी चिन्हित सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लक्ष्य को गंभीरता से लेते हुए युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां सड़क मरम्मत का कार्य लंबित है, वहां श्रमिकों और संसाधनों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने चंडी पुल के मरम्मत कार्य की जानकारी लेते हुए इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन का आवागमन अधिक समय तक प्रभावित न हो। आयरिश पुल के समीप क्षतिग्रस्त सड़क का भी निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके बाद जिलाधिकारी ने दक्षद्वीप स्थित बैरागी क्षेत्र में निर्माणाधीन 60 मीटर स्पान पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा की जानकारी लेते हुए कार्य में तेजी के साथ गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे कुंभ मेला संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की और आगामी कुंभ मेले की आवश्यकताओं के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग के विभिन्न हिस्सों में पेंटिंग और दीवारों पर चित्रकारी कराने तथा खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शंकराचार्य चौक से भूपतवाला तक पेंचवर्क और डामरीकरण को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा। निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक राष्ट्रीय राजमार्ग विशाल गोयल, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग योगेश कुमार, उप प्रबंधक राष्ट्रीय राजमार्ग प्रज्वल चौहान, ठेकेदार अमित जैन, जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

19वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 7 से 9 जनवरी 2027 तक कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 जनवरी को तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार संयुक्त रूप से करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी और प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान करेंगी। इस दौरान युवा प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें दुनियाभर से भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, युवा नेता, उद्यमी, पेशेवर, शिक्षाविद और नवोन्मेषक शामिल होंगे। प्रवासी भारतीय दिवस महात्मा गांधी के 9 जनवरी 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने की स्मृति में मनाया जाता है। इस सम्मेलन का उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय से संपर्क मजबूत करना और देश के विकास में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

यूपी देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य, 10 सालों में निर्यात दो लाख करोड़ के पार

-सीएम योगी बोले- भदोही का कालीन हुनर अब विकास और वैश्विक बाजार से जुड़ रहा

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि यह प्रदेश देश का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक राज्य है और इसके निर्यात में भदोही के कालीन उद्योग का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रदेश का निर्यात करीब 2.27 गुना बढ़कर दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पहले भदोही का हुनर अपनी राह तलाशता था। आज सरकार उसके लिए विकास, बाजार और अवसर के नए द्वार खोल रही है।

उन्होंने कहा कि जिन कारीगरों के हुनर ने भदोही के कालीनों को दुनिया तक पहुंचाया, उन्हें 2017 से पहले बुनियादी सुविधाओं और अवसरों के लिए इंतजार करना पड़ता था। अब यह हुनर विकास और वैश्विक बाजार, दोनों से जुड़ रहा है। सीएम ने कहा कि हाथ से बनी भदोही की कालीनों की मांग आज पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है, जो वैश्विक मंच पर यूपी के हुनर का लोहा मनवा रही हैं।

उन्होंने बताया कि एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हस्तनिर्मित कालीन व्यापार मेले 'इंडिया कारपेट एक्सपो' के स्वर्ण जयंती संस्करण की रविवार को शुरुआत हुई। इस अवसर पर वह कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं और उद्यमियों से संवाद किया। योगी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान भदोही, औराई और ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्रों में 1,340 करोड़ रुपए से ज्यादा की 112 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा और कई योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे। योगी ने कहा कि कारीगर के हाथ को सम्मान, उद्यम को विस्तार, युवाओं को रोजगार और भदोही को समृद्धि, यही नए यूपी में विरासत और विकास के संगम की नई पहचान है।

रुड़की में पनीर फैक्टरी पर छापा, प्रतिबंधित एनालॉग पनीर का खुलासा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। खाद्य सुरक्षा आयुक्त उत्तराखंड विनय शंकर पाण्डेय और जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 3 अक्टूबर की रात रुड़की ब्लॉक के नन्हेड़ा अनेतपुर स्थित पनीर निर्माण इकाई पर छापेमारी कर प्रतिबंधित एनालॉग पनीर के निर्माण का खुलासा किया। उपायुक्त गढ़वाल मंडल आरएस रावत के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में सहायक आयुक्त हरिद्वार महिमानंद जोशी, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन व पवन कुमार तथा पुलिस बल शामिल रहा।

जांच के दौरान पनीर निमार्ता आजाद पुत्र ईसाक को उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रतिबंधित एनालॉग पनीर का निर्माण, संग्रह और विक्रय करते पाया गया। मौके से दो टीन में करीब 20 किलो पामोलीन तेल और 30 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर बरामद हुआ। पूछताछ में पनीर निमार्ता ने बताया कि वह पामोलीन तेल और स्किम्ड मिल्क पाउडर से पनीर तैयार कर बाजार में 240 रुपये प्रति किलो की दर से बेचता है। कार्रवाई के दौरान करीब दो क्विंटल अर्धनिर्मित पनीर और 20 किलो पामोलीन तेल नष्ट कराया गया, जबकि स्किम्ड मिल्क पाउडर को जब्त कर सीज कर दिया गया। प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ के निर्माण के चलते पनीर निर्माण इकाई को अग्रिम आदेश तक बंद करा दिया गया है। पनीर निमार्ता के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। टीम ने मौके से खुले पनीर, पामोलीन तेल और स्किम्ड मिल्क पाउडर के तीन विधिक नमूने लेकर जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला, रुद्रपुर भेजे हैं। कार्रवाई में एडीपीओ सत्यपाल सिंह, पुलिसकर्मी सुधीर कुमार, योगेंद्र सिंह, परीक्षित, सोनू पुरी तथा महिला पुलिसकर्मी रोमा और निर्मला शामिल रहीं।

बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान, भविष्य के गंभीर चक्रवातों का दे रहा संकेत

-अतिरिक्त गर्मी आने वाले समय में मौसम को बड़े पैमाने पर बदल सकती है

कोलकाता, एजेंसी।
बंगाल की खाड़ी का लगातार बढ़ता समुद्री तापमान मौसम वैज्ञानिकों के लिए एक गहरी चिंता का विषय बन गया है। समुद्र की सतह का तापमान और उसमें जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी आने वाले समय में मौसम के मिजाज को बड़े पैमाने पर बदल सकती है, जिससे पूर्वी तटीय राज्यों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। यह क्षेत्र पहले से ही चक्रवातों के लिए बेहद संवेदनशील माना जाता है, और समुद्र का अधिक गर्म होना इन तूफानों को अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान कर सकता है, जिससे वे कम समय में और अधिक विनाशकारी बन सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक गंभीर संकेत है, हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि अभी कोई खास विनाशकारी चक्रवात दस्तक देने वाला है। चिंता भविष्य के बड़े खतरे को लेकर है।

समुद्री विज्ञान शोधकर्ताओं के मुताबिक चक्रवात अपनी ऊर्जा गर्म समुद्री पानी से हासिल करते हैं। समुद्र की सतह का तापमान जितना ज्यादा होता है, उतनी ही ज्यादा गर्मी और नमी तूफान को मिलती है, जिससे उसकी तीव्रता तेजी से बढ़ती है। बंगाल की खाड़ी पहले से ही दुनिया के सबसे ज्यादा चक्रवात प्रभावित समुद्री क्षेत्रों में से एक है। यदि समुद्र का पानी और गर्म होता है, तो तेज और अत्यधिक ताकतवर चक्रवातों का खतरा बढ़ जाएगा, जो जमीन से टकराने से पहले तेजी से मजबूत हो सकते हैं।

इस बढ़ते तापमान का असर केवल चक्रवातों तक सीमित नहीं रहेगा। ओडिशा सहित पूर्वी तट के राज्यों में भविष्य में अत्यधिक बारिश, बाढ़ और तटीय कटाव का खतरा बढ़ सकता है। मछुआरों और समुद्री आजीविका पर निर्भर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, और कृषि पर भी मौसम की अनिश्चितता का नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है।

हाल के वर्षों में गंभीर मौसम प्रणालियों के व्यवहार में बदलाव देखा गया है। आईआईटी भुवनेश्वर के प्रोफेसर संदीप पटनायक जैसे विशेषज्ञ बताते हैं कि बंगाल की खाड़ी में बनने वाले गहरे दबाव और चक्रवाती सिस्टम अब ज्यादा जटिल तरीके से व्यवहार कर रहे हैं। ये सिस्टम कई बार तट के पास ज्यादा समय बिताते हुए या तो तेजी से मजबूत होते हैं या फिर अचानक कमजोर पड़ जाते हैं, जिससे इनकी सटीक भविष्यवाणी करना और भी कठिन हो जाता है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में समुद्र की सतह का तापमान आमतौर पर 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रहता है, जो मौसम प्रणालियों को पर्याप्त नमी उपलब्ध कराता है। इस तापमान में मामूली बदलाव भी चक्रवात की ताकत पर बड़ा असर डाल सकता है। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात की भविष्यवाणी इसलिए भी मुश्किल है क्योंकि यहां समुद्र और वायुमंडल के बीच कई तरह की जटिल प्रक्रियाएं एक साथ काम करती हैं। गर्म समुद्र के साथ हवा की दिशा और ऊपरी वायुमंडलीय परिस्थितियां भी तूफान के रास्ते और ताकत को प्रभावित करती हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के लिए समुद्र से ज्यादा से ज्यादा वास्तविक समय का डेटा जुटाना और बेहतर समुद्री निगरानी सिस्टम स्थापित करना अत्यंत जरुरी है। वैज्ञानिकों का जोर समय रहते इस खतरे को समझने और उससे निपटने की तैयारी मजबूत करने पर है।

पेट्रोल पंप पर निकला जहरीला कोबरा, मची अफरा-तफरी; सर्प मित्र ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

बिजनौर (शिखर समाचार)। नहटौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत इंडियन पेट्रोल पंप परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक एक जहरीला कोबरा सांप दिखाई दिया। पेट्रोल पंप जैसे अतिव्यस्त स्थान पर जहरीले सांप को देखकर वहां मौजूद कर्मचारियों और ग्राहकों में दहशत फैल गई। सांप को देखकर लोग सुरक्षित स्थान की ओर हट गए, जबकि पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने किसी तरह स्थिति को संभालते हुए तत्काल सर्प मित्र को सूचना दी। सूचना मिलते ही सर्प मित्र भास्कर मौके पर पहुंचे और सांप को सुरक्षित पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। सर्प मित्र भास्कर ने काफी सावधानी और मशक्कत के बाद पेट्रोल पंप परिसर में मौजूद जहरीले कोबरा को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। कोबरा को पकड़ने के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और काफी देर तक वहां अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सर्प मित्र द्वारा सांप को सुरक्षित पकड़ लिए जाने के बाद पेट्रोल पंप कर्मचारियों तथा मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। बताया गया कि समय रहते सांप को रेस्क्यू कर लिए जाने से किसी अप्रिय घटना की आशंका टल गई। कोबरा के रेस्क्यू के दौरान लोगों में भी काफी उत्सुकता बनी रही और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुटे रहे।

नीरज शर्मा को मिली भारतीय व्यापार मंडल खतौली की कमान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। संगठन विस्तार के क्रम में भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर सिंघल ने राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय जन्मेजय की संस्तुति पर नीरज शर्मा को भारतीय व्यापार मंडल, खतौली का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है। नीरज शर्मा की नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में खतौली में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा व्यापारियों की समस्याओं और हितों को प्रभावी ढंग से उठाने का काम किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त नगर अध्यक्ष व्यापारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर सिंघल और राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय जन्मेजय ने कहा कि भारतीय व्यापार मंडल की मूल विचारधारा ह्यवसुधैव कुटुंबकम्ह्न है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए संगठन लगातार सभी वर्गों को साथ लेकर व्यापारियों के उत्थान, हितों की रक्षा और समाज के नवनिर्माण की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाने के साथ उनके अधिकारों और हितों की रक्षा करना है। नीरज शर्मा ने संगठन नेतृत्व का आभार जताते हुए जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ निर्वहन करने का भरोसा दिलाया।

श्री राधा-कृष्ण विवाह महोत्सव की धूम, घुड़चढ़ी ने मोहा मन

हापुड़ (शिखर समाचार)। श्री राधे राधे सेवा परिवार के तत्वावधान में श्री राधा छठी महोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य रासलीला का आयोजन किया गया, जिसमें श्री राधा-कृष्ण विवाह महोत्सव बड़े ही धूमधाम और अलौकिक ढंग से संपन्न हुआ।

महोत्सव के दौरान श्री राधे राधे श्याम परिवार के महामंत्री राजीव बाटला के निवास से श्री दादा दामोदर सरकार जी की पालकी और श्री रासबिहारी सरकार की भव्य घुड़चढ़ी यात्रा निकाली गई, जो सनातन धर्म सभा तक पहुंची। इससे पूर्व तिलक, काजल लगाने समेत सभी मांगलिक रस्में लीला व्यास जय प्रिया दास, सीमा बाटला, राधिका और आंचल अग्रवाल की देखरेख में वैदिक रीति-रिवाज से पूरी की गईं।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु, जगह-जगह हुआ पुष्पवर्षा से स्वागत

घुड़चढ़ी यात्रा के दौरान भजन गायक मयंक बाबा और रॉकी भैया ने "तेरा किसने किया सिंगार सांवरे..." तथा "सजा सिर सेहरा हरि के..." जैसे भावपूर्ण और मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु झूमने को मजबूर हो गए। यात्रा मार्ग में स्थान-स्थान पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात सनातन धर्म सभा में ठाकुर जी और किशोरी जी के अलौकिक ब्याहुला तथा पावन फेरों की लीला का मंचन हुआ, जिसके दिव्य दृश्य को देख उपस्थित भक्तगण भाव-विभोर हो गए। इस पावन अवसर पर नरेंद्र शर्मा, राजीव बाटला, अतुल सोनी, राजीव वर्मा, अशोक बाटला, डॉ. सुशील गोस्वामी, संजीव गोयल, शीतल गर्ग, पूनम गोयल सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैनामा कराने के मामले में कोर्ट के आदेश पर महिला समेत पांच पर रिपोर्ट दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। दादरी कोतवाली क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार कर एक प्लॉट का षड्यंत्र के तहत बैनामा कराने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर पीड़ित को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसके आदेश पर एक महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि मेरठ जिले के मुमताज नगर (तारापुरी) निवासी मोहम्मद आसिफ ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी बहन रिहाना का 98 वर्ग गज का एक प्लॉट है, जिसकी गिफ्ट डीड बहन ने पीड़ित के नाम कर दी थी। तभी से पीड़ित उस प्लॉट पर काबिज चला आ रहा है। आरोप है कि पीड़ित की बहन और बहनोई के बीच आपसी मतभेद चल रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर प्लॉट को पैतृक संपत्ति दशार्ते हुए फर्जी और कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर 15 दिसंबर 2025 को अपने दोस्त शाहनवाज के साथ एक फर्जी बैनामा निष्पादित कर दिया गया, जिसमें आमिर और शाकिर गवाह बने। पीड़ित का कहना है कि यह आसिफ की पैतृक संपत्ति नहीं है, फिर भी फर्जी कागजातों के दम पर प्लॉट पर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस में सुनवाई न होने पर पीड़ित ने अदालत की शरण ली।

नेहरू क्रिकेट स्टेडियम का बदलेगा स्वरूप: ओपन जिम, आधुनिक वॉकिंग ट्रैक और हरित परिसर के साथ खिलाड़ियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

जीडीए उपाध्यक्ष आईएएस नंद किशोर कलाल और सदर विधायक संजीव शर्मा ने किया औचक निरीक्षण

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर के ऐतिहासिक नेहरू क्रिकेट स्टेडियम को अब आधुनिक खेल परिसर के रूप में नया जीवन मिलने जा रहा है। खेल प्रतिभाओं को तराशने और स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने स्टेडियम के संपूर्ण कायाकल्प का मास्टर प्लान तैयार किया है। इसी क्रम में जीडीए उपाध्यक्ष एवं युवा आईएएस अधिकारी नंद किशोर कलाल ने सदर विधायक संजीव शर्मा और प्राधिकरण के आला अधिकारियों की टीम के साथ रविवार सुबह 8 बजे स्टेडियम का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आईएएस नंद किशोर कलाल का एक्शन मोड साफ नजर आया। उन्होंने पूरे परिसर का कोना-कोना खंगालते हुए खिलाड़ियों और आम जनता को मिल रही बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छता, ड्रेनेज और ग्राउंड मेंटेनेंस की जमीनी हकीकत परखी। व्यवस्थाओं में मौजूद कमियों पर उन्होंने मौके पर ही संबंधित अनुरक्षण एजेंसी और इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि स्टेडियम की पहचान केवल एक खेल मैदान तक सीमित न रहे, बल्कि यह पूरे शहर के लिए फिटनेस और खेल संस्कृति का प्रमुख केंद्र बने। जीडीए उपाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश जारी किए कि अनुरक्षण एजेंसी द्वारा लीज मद में प्राधिकरण को दी गई धनराशि का शत-प्रतिशत उपयोग स्टेडियम के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जनसुविधाओं के विस्तार में ही किया जाए। उन्होंने कहा कि फंड की कोई कमी नहीं है, बस काम समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ धरातल पर दिखना चाहिए।

कायाकल्प की इस योजना के तहत स्टेडियम में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। परिसर में खिलाड़ियों और मॉर्निंग वॉकर्स के लिए आधुनिक वॉकिंग ट्रैक का निर्माण और मौजूदा ट्रैक का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। युवाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक ओपन जिम स्थापित होगा। शाम और रात के समय खिलाड़ियों व अभ्यासकताओं की सुरक्षा के लिए हाई-मास्ट और बेहतर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, स्टेडियम को पूरी तरह 'प्लास्टिक-मुक्त जोन' घोषित करते हुए बड़े पैमाने पर लैंडस्केपिंग और पौधरोपण के जरिए ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी। जलभराव की पुरानी समस्या से निजात दिलाने के लिए पूरे ड्रेनेज सिस्टम का जीर्णोद्धार होगा, साथ ही आधुनिक शौचालयों की मरम्मत और स्वच्छ पेयजल के लिए नए वाटर कूलरों की स्थापना की जाएगी। आईएएस नंद किशोर कलाल ने जीडीए के इंजीनियरिंग अनुभाग को दो-टूक निर्देश दिए कि प्रस्तावित सभी कार्यों का विस्तृत प्राक्कलन (एस्टीमेट) तुरंत तैयार कर निविदा प्रक्रिया को रिकॉर्ड समय में पूरा कराया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य धरातल पर शुरू होने चाहिए। नेहरू क्रिकेट स्टेडियम को एक स्वच्छ, सुरक्षित, आधुनिक और ऊर्जावान खेल परिसर के रूप में स्थापित करना प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि जनपद के उभरते खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए उत्कृष्ट माहौल मिल सके।

लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ के संदेश के साथ सपा ने निकाला पैदल मार्च

शामली (शिखर समाचार)। लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ और वोट बचाओ के संदेश के साथ समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने रविवार को शहर में पैदल मार्च निकाला। गुलजारी मंदिर से शुरू हुआ मार्च गांधी पार्क स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पहुंचकर संपन्न हुआ। सपा जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना के नेतृत्व में निकले मार्च में कार्यकताओं ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर लोकतंत्र एवं मतदान के अधिकार को लेकर नारे लगाए। मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सपा जिलाध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने पार्टी नेताओं और कार्यकताओं के साथ बल प्रयोग किया। उन्होंने दावा किया कि जिला महासचिव चौधरी कलीम हसन और पूर्व चेयरमैन नगर पंचायत एलम डॉ. दीपा पंवार को पुलिस कार्रवाई के दौरान चोटें आईं। कलीम हसन के साथ मारपीट और पसलियों में चोट लगने का आरोप लगाते हुए उन्होंने घटना को निंदनीय बताया। महिला कार्यकताओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया गया।

चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने कहा कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए बल प्रयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने वर्ष 2027 में पीडीए की सरकार बनाने और अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ कार्यकताओं से मजबूती से जुटने का आह्वान किया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुकेश सैनी ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में पीडीए की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से संघर्ष करेगा। मार्च में अर्चना चौधरी, डॉ. दीपा पंवार, ठाकुर शेर सिंह राणा, वतन सिंह सैनी, शोकेन्द्र आचार्य, राहुल सैनी, चौधरी कलीम हसन, इमरान राणा, तासीन मंसूरी, सुरेश प्रधान, वासिल चौधरी, शेखर सैनी, अखिलेश सैनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग पर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, बैरिकेडिंग कर पुलिस ने रोका

बिजनौर (शिखर समाचार)। केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर कांग्रेस कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत कांग्रेस कार्यकताओं को कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना देना था और वहीं ज्ञापन सौंपना था, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड के पास ही भारी बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। कलेक्ट्रेट जाने से रोके जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और रोडवेज बस स्टैंड के पास सड़क पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान कार्यकताओं ने सरकार के कथित तानाशाहीपूर्ण रवैये के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कड़े शब्दों में विरोध जताया। बाद में मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने किया। इस दौरान पूर्व आईएएस आरके सिंह और जिला उपाध्यक्ष संगठन जावेद अंसारी भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

प्रदर्शन में हुमायूं बैग, ठाकुर गौतम सिसोदिया, खालिद अंसारी, प्रशांत त्यागी, मुबशिर जमा खान, पीयूष त्रिपाठी, साजिद अली खान, मिसबाबुल हसन, फुरकान महमूद अंसारी, हुकुम सिंह, हाजी नसीम अंसारी, वसीम अकरम, मौ सलीम, हरि सिंह सागर, जसराम सिंह, अहसन जमील, विष्वमोहन, अजीम अंसारी, निजामुद्दीन, गुरमुख सिंह, हिमांशु देवरा, रतिराम सिंह, राम रतन सिंह, कमरुन्निशा, हरिराज, चांद चौधरी, सलेकचंद, होशियार सिंह, अतुल कुमार, साजिदा बेगम, महेश कुमार, अर्जुन सिंह, रईस अहमद, फारूक खान, शमीम गयूर, अमित कुमार, राजेंद्र कुमार, शारिक अली, गुलसिताब, फहीम अख्तर, जफर मालिक, इदरीस अहमद, रेयान सिद्दीकी, रोहित कुमार, नईम अहमद, इमरान अंसारी, तनवीर अहमद, लताफत हुसैन, भानु प्रकाश, सतेंद्र सिंह, नीरज कुमार, गफ्फार, रकीब आलम, एमए खान, राज कुमार, मुकुल और समीर खान समेत सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा संकल्प से स्वावलंबन तक दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की मिसाल बने आशुतोष

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और आत्मनिर्भरता के अवसरों से जोड़ने की दिशा में 26 वर्षीय आशुतोष पिछले सात वर्षों से निरंतर सेवा कार्य कर रहे हैं। नीव शक्ति संस्था से जुड़े युवा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, सरकारी योजनाओं, रोजगार तथा स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका प्रयास दिव्यांगजनों को सरकारी सहायता का लाभ दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी लगातार आगे बढ़ रहा है।

कोविड-19 महामारी के कठिन दौर में भी आशुतोष ने दिव्यांगजनों तक कोविड टीकाकरण और आवश्यक सहायता पहुंचाने में सहयोग किया।

वर्तमान में वह दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चश्मे जैसी आधुनिक तकनीक को लाभार्थियों तक पहुंचाने और उसके उपयोग का प्रशिक्षण देने का कार्य भी कर रहे हैं। इससे दृष्टिबाधित लोगों के लिए तकनीक के माध्यम से दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाने की दिशा में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की ओर से दिव्यांगजनों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी लाभार्थियों को सुविधाएं मिल रही हैं। मिशन समर्थ सहित आत्मनिर्भरता से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से दिव्यांगजनों को सहायता प्राप्त करने के साथ ही रोजगार, स्वरोजगार और स्वावलंबन के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। आशुतोष ने सेवा के इस अवसर के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक प्रयासों का लाभ वास्तविक जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक पहुंचाना ही उनके सेवा संकल्प का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यदि सही जानकारी, उचित मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों तो दिव्यांगजन किसी से पीछे नहीं हैं। विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र से अधिकारों तक, सरकारी योजनाओं से अवसरों तक और आधुनिक तकनीक से सशक्तिकरण तक आशुतोष की सात वर्षों की सेवा यात्रा सेवा संकल्प, सेवा से स्वावलंबन तक की प्रेरक मिसाल बन रही है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विद्यालय की कार्यकारिणी का चुनाव निर्विरोध संपन्न

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिजनौर की कार्यकारिणी समिति का द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गया। चुनाव अधिकारी राकेश कुमार सिंह अधिवक्ता तथा पीठासीन अधिकारी केपी सिंह आईआरएस की देखरेख में आयोजित चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव में किसी भी पद पर एक से अधिक दावेदार सामने नहीं आने के कारण निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में गणेश सिंह को सलाहकार, चंद्रपाल सिंह को अध्यक्ष, हरज्ञान सिंह को उपाध्यक्ष, ब्रह्मपाल सिंह को सचिव, हरीराज सिंह केसरी को कोषाध्यक्ष, नकुल कुमार को प्रबंधक, गुल शरण सिंह को लेखा परीक्षक तथा देवेंद्र सिंह अधिवक्ता को उप प्रबंधक चुना गया। चुनाव अधिकारी और पीठासीन अधिकारी ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा करते हुए शुभकामनाएं दीं। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों ने विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने, विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता देने तथा विद्यालय के विकास कार्यों को गति देने का संकल्प लिया। चुनाव संपन्न होने के बाद विद्यालय से जुड़े लोगों ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि समिति आपसी समन्वय के साथ विद्यालय की व्यवस्थाओं को मजबूत करने और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगी।

चुनाव आयोग के खिलाफ सपा का हल्लाबोल, पुलिस से धक्का-मुक्की के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त का फूंका पुतला

हापुड़ (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने रविवार को चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सपा कार्यकताओं ने उनका पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकताओं और पुलिस के बीच तीखी नोक-झोंक व धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस सपा पदाधिकारियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई और बाद में मुचलके पर रिहा कर दिया। जानकारी के अनुसार, रविवार को सपा के सैकड़ों कार्यकर्ता बुलंदशहर रोड स्थित पार्टी कार्यालय से जुलूस के रूप में निकले। कार्यकताओं के

हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां थीं। सपा नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता व निष्पक्षता की मांग करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने हरसंभव प्रयास किया, जिससे पुलिस और नेताओं के बीच कई बार नोक-झोंक हुई। तहसील चौराहे पर धरना, पुलिस ने कई नेताओं को लिया हिरासत में पुलिस की सख्ती के बावजूद सपा कार्यकर्ता तहसील चौराहे और मेरठ तिराहे स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंचे और वहां धरना दिया। इस दौरान गुस्साए कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंककर अपना विरोध दर्ज कराया।

सपा जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर ने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों का पारदर्शी जवाब देने की मांग की। पुतला दहन और प्रदर्शन के दौरान हुई धक्का-मुक्की के बाद पुलिस ने जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर, पदम सिंह, इकबाल कुरैशी, अय्यूब सिद्दीकी, संजय गहलोत तथा अमित सहित कई नेताओं को हिरासत में ले लिया और थाने ले आई, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

जाट आरक्षण की मांग को लेकर महासम्मेलन में फूंका आंदोलन का बिगुल

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से बुढ़ाना के डीएवी कॉलेज मैदान में आयोजित जाट महासम्मेलन में केंद्रीय आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंका गया। समिति के राष्ट्रीय संयोजक यशपाल मलिक ने केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि बुढ़ाना से शुरू हुआ आरक्षण का यह कारवां अब उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में जाट समाज को उत्तर प्रदेश की अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल किया गया था। इसके बाद वर्ष 2006 से 2014 तक राष्ट्रव्यापी आंदोलन चला और मार्च 2014 में जाटों को

केंद्रीय आरक्षण मिला, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि 26 मार्च 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाट प्रतिनिधियों के समक्ष कानून बनाकर आरक्षण देने का आश्वासन दिया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी अलमास चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हिंदू, मुस्लिम, सिख और बिश्नोई जाट आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं और केंद्रीय आरक्षण की लड़ाई में भी सभी धर्मों के जाट एकजुट होकर संघर्ष करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह दहिया ने समाज से अपने अधिकारों के लिए खड़े होने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष जगतवीर सिरोही ने बताया कि 25 अक्टूबर को बुलंदशहर के नुमाइश मैदान में सम्मेलन होगा। इसके बाद नवंबर में मथुरा और दिसंबर में बिजनौर में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। महासचिव वीरपाल राणा ने बताया कि आंदोलन को गति देने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में संगठन का पुनर्गठन किया जा रहा है। सम्मेलन में विभिन्न जिलों से पहुंचे पदाधिकारियों ने आंदोलन को समर्थन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएस अहलावत ने की। बाद में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपजिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार सिंह को सौंपा गया। इस दौरान ब्रजपाल सिंह सहरावत, प्रवीण राणा, राजबहादुर मलिक, चमन सिंह और तेजपाल चौधरी सहित अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क नहीं बनने से 15 हजार की आबादी झेल रही दर्द

बिसारतगंज, एजेंसी। अतरछेड़ी - इफको मार्ग से नैनपुर गांव होकर बनखंडी मंदिर होते हुए हस्नगनगला तक प्रस्तावित सड़क न बनने से 15 हजार की आबादी दिक्कत झेल रही है। गांव करपिया ब्रह्मनान निवासी ठाकुर मोहन सिंह, जय गोविंद ने बताया 21 मार्च 25 को पीडब्लूडी निर्माण खंड वन की ओर से सड़क निर्माण का टेंडर भी जारी किया गया। टेंडर होने के डेढ़ वर्ष बाद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं हो सका। उनका कहना है कि अगर आगे भी यही हाल रहा तो वे विस चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

रोलर स्पीड स्केटिंग में 300 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

आगरा, एजेंसी। जिला रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन 4 अक्टूबर को सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज, वजीरपुरा रोड में प्रथम आगरा जिला रोलर स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप आयोजित करेगा। इसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों के 300 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ी अपनी गति, कौशल और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि नारंग ने बताया कि यह आयोजन बच्चों को प्रतिभा निखारने और राज्य, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर देगा।

भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो सपा ने संजयन त्रिपाठी को बनाया प्रत्याशी

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा से बागी एमएलसी प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी ने शनिवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा का दामन थाम लिया। उन्होंने पहले निर्दल नामांकन किया था लेकिन अब वह सपा के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगे। अखिलेश यादव ने उनके साथ आए समर्थकों का भी स्वागत किया। समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. संजयन त्रिपाठी को समाजवादी पार्टी में शामिल करने के बाद अखिलेश यादव ने डॉ. संजयन को कमलेश यादव की जगह गोरखपुर फैजाबाद खंड शिक्षक क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के पूर्व में घोषित कमलेश यादव की सहमति से आज शामिल होने वाले संजयन को प्रत्याशी घोषित किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता नेता इस चुनाव को अपना चुनाव मानकर लड़ेंगे। डॉ. संजयन त्रिपाठी के साथ समाजवादी पार्टी के शिक्षक, स्नातक क्षेत्र के घोषित सभी प्रत्याशियों को पूरी मेहनत से जिताने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सपा जिन लोगों ने त्याग किया है उनका हमेशा सम्मान होगा और जब समय आएगा तो उन्हें सम्मानजनक स्थान दिया जाएगा। सपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद डॉ. संजयन त्रिपाठी ने कहा कि वह शिक्षक हैं। वह शिक्षकों की पीड़ा को बेहतर ढंग से समझते हैं। वह शिक्षकों के हित के लिए मैदान में उतरे हैं। अखिलेश यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। जो सपा के पहले प्रत्याशी थे कमलेश यादव उनका आभार जिन्होंने उन्हें अपना समर्थन दिया है।

तीन नदियां खतरे का निशान के पार, 71 गांव प्रभावित

गोरखपुर , एजेंसी। नेपाल से लेकर जिले तक बारिश थमने के बाद भी गोरखपुर में तीन नदियां अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसकी वजह से जिले के 71 गांवों की 98 हजार आबादी प्रभावित हुई है। सरयू नदी बरहज में खतरे के निशान से 1.20 मीटर ऊपर बह रही है। राप्ती नदी बर्डघाट में खतरे के निशान से 37 सेमी ऊपर है। गोर्रा नदी पिड़ा घाट में खतरे के निशान से पांच सेमी ऊपर बह रही है। अन्य नदियां अब खतरे के निशान से नीचे आ गई हैं। हालांकि नदियों का जलस्तर अब नीचे आने लगा है लेकिन पानी उतरने की रफ्तार धीमी है। आपदा प्रबंधन कार्यालय के अनुसार बाढ़ से प्रभावित गांवों में गोला तहसील के 42 गांव शामिल हैं। खजनी तहसील के 14 गांव, सदर के आठ और बांसगांव के सात गांव भी बाढ़ की चपेट में हैं। प्रभावित गांवों में लोगों के लिए राहत किट बांटी गई है। साथ ही पशुओं के लिए भूसा और पशु आहार भी वितरित किया गया है। सदर तहसील में ग्रामीण विधायक विपिन सिंह ने 1100 परिवारों को राहत किट दी। गोला तहसील में 500 खाद्यान्न किट व बांसगांव में 130 राहत किट वितरित की गईं। गोला तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों में 255.20 क्विंटल भूसा बांटा गया। छोटे पशुओं के लिए 450 पैकेट आहार दिए गए। बड़े पशुओं के लिए 490 पैकेट आहार वितरित किए गए। इसी प्रकार सदर तहसील के बहरामपुर उत्तरी व दक्षिणी में 5500 लंच का पैकेट वितरित किया गया।

स्ट्रीट लाइट से कटिया डालकर चल रहा था पावर हब जिम

बरेली , एजेंसी। बारादरी थाना क्षेत्र अंतर्गत सूफी टोला में संचालित पावर हब जिम के संचालक निसार पर बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। स्ट्रीट लाइट से कटिया डालकर जिम में स्वीकृत भार से दोगुना लोड चल रहा था। बिजली चोरी रोकने और हाई लाइन लॉस कम करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रवर्तन दल प्रथम के प्रभारी जनशिरोधक दीपक कुमार के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को पावर हब जिम की जांच की। जांच में सामने आया कि जिम परिसर के बाहर लगी स्ट्रीट लाइट की लाइन से कटिया डालकर बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था। विद्युत निगम के रिकॉर्ड के अनुसार, जिम के लिए पांच किलोवाट का कनेक्शन स्वीकृत है। लेकिन, मौके पर कुल संयोजित भार (कनेक्टेड लोड) 10 किलोवाट पाया गया। इसके अलावा चोरी की बिजली से दो कार्डियो मशीनें, 11 पंखे, एक सबमर्सिबल पंप, इन्वर्टर और एक इलेक्ट्रिक वेट मशीन समेत अन्य उपकरण संचालित होते मिले। इस संबंध में सीओ विजिलेंस राकेश राय ने बताया कि चेकिंग के दौरान पावर हब जिम में स्ट्रीट लाइट से तार डालकर चोरी की जानकारी हुई।

---

30 लाख दर्शकों के लिए सुरक्षा योजना तैयार

सेक्टर और जोनवार पुलिस करेगी प्रबंधन, क्यूआरटी भी रहेगी

वाराणसी, एजेंसी। तीन दिवसीय एयर शो की तैयारियों को लेकर शनिवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भीड़ प्रबंधन, सुगम यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। गंगा नदी के दोनों तटों से करीब 30 लाख दर्शकों के एयर शो देखने की संभावना को देखते हुए व्यापक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था तैयार की जा रही है।

पुलिस आयुक्त ने पड़ाव चौराहा, रामनगर बाईपास, टेंगरा मोड़, डोमरी गंगा घाट और कोदोपुर घाट समेत अन्य प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान सेक्टर और जोनवार पुलिस बल की तैनाती की जाए। इसके साथ ही क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) और अन्य रिस्पॉन्स टीमों को भी रणनीतिक स्थानों पर तैनात रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और चंदौली के जिलाधिकारी चंद्रमोहन गर्ग ने भी आयोजन को लेकर अपने सुझाव दिए। बताया गया कि एयर शो के दौरान सेना के विभिन्न प्रकार के विमान करीब 90 मिनट तक हवाई करतब दिखाएंगे। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

पुलिस आयुक्त ने भीड़ के दबाव वाले संभावित स्थानों को पहले से चिह्नित कर विस्तृत भीड़ प्रबंधन योजना तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि दर्शकों और वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए यातायात डायवर्जन की योजना पहले से तैयार कर ली जाए। चिह्नित पार्किंग स्थलों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिए गए।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों से निगरानी की जाएगी। कंट्रोल रूम से प्रमुख दर्शक स्थलों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने महिला, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने को कहा। प्रमुख दर्शक स्थलों पर सहायता डेस्क, आवश्यक संकेतक और लोगों की मदद के लिए टीमों की व्यवस्था की जाएगी।

औद्योगिक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों की महापंचायत

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। गांव सिरसली कलां में औद्योगिक गलियारे के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के विरोध में रविवार को किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों की महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष हुसैन अहमद और मोहम्मद रियासत ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष विनोद कुमार राणा ने किया। इसमें सिरसली कलां, सिरसली खुर्द, चकवाली, शिवदासपुर, मोहम्मदपुर गाड़ा और नैनपुर नगला समेत आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में किसान पहुंचे।

महापंचायत को संबोधित करते हुए चौधरी सालिम प्रधान ने कहा कि किसान किसी भी कीमत पर अपनी उपजाऊ जमीन नहीं देंगे। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि 70 प्रतिशत किसानों की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने किसानों से कहा कि यदि कोई अधिकारी या प्रतिनिधि अकेले में आकर किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कराने का प्रयास करे तो दबाव में हस्ताक्षर न करें। किसानों ने कहा कि प्रशासन को उनसे वार्ता करनी है तो खुले तौर पर बैठक आयोजित कर बातचीत करनी चाहिए। किसानों ने बताया कि औद्योगिक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण के प्रस्ताव का वे पहले भी जिलाधिकारी, मंडलायुक्त और उपजिलाधिकारी के समक्ष विरोध दर्ज करा चुके हैं। महापंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान किसानों ने एकजुट होकर किसान एकता जिंदाबाद और हम अपनी जमीन नहीं देंगे के नारे लगाए। महापंचायत में फरमान चौधरी, अनवर प्रधान, शाहनजर प्रधान, जहांगीर चौधरी, हसीन, राजा, नौशाद, जावेद, सुफियान चकवाली, चौधरी गालिब प्रधान, सुखबीर राणा, उदयवीर राणा, अरशद पुंडीर, मुन्तजिर, सत्तार सहित बड़ी संख्या में प्रभावित किसान मौजूद रहे।

नशीली दवा बेचने और कागजों पर चलतीं 28 दवा फर्मों के लाइसेंस रद्द

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में कोडीनयुक्त कफ सिरप जैसी नशीली दवाओं को बेचने वाली और सिर्फ कागजों पर संचालित हो रही 28 दवा फर्मों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। औषधि विभाग ने 3270 दवा फर्मों की जांच के बाद यह कार्रवाई की है। अगस्त 2025 में अग्रवाल ब्रदर्स के यहां मिले नशीले सिरप के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने दवा फर्मों के सत्यापन और जांच के निर्देश दिए थे। विभाग की टीम बिरहाना रोड, कल्याणपुर, लालबंगला आदि जगहों पर अभियान चलाकर थोक दवा फर्मों का सत्यापन कर रहे है। अभी तक की जांच में 16 फर्मों कागजों पर चलती मिलीं और 12 फर्मों के जरिये नशीली दवाओं के कारोबार के साक्ष्य मिले हैं।

कई दवा फर्म सिर्फ कागजों तक सीमित : इन फर्मों में अग्रवाल ब्रदर्स, सिसोदिया, प्रेमा, माया फर्म, मेडिसिना, मसाइको, कुमार मेडिकल स्टोर, मां दुर्गा मेडिकोज, श्री बालाजी, आर एस हेल्थकेयर, ए एस हेल्थकेयर, एसजीपीएस सहित 28 दवा फर्में शामिल हैं। जांच में सामने आया कि कई दवा फर्में सिर्फ कागजों तक सीमित है। दस्तावेज में दर्ज पते पर जब विभाग की टीम पहुंची तो, दुकान मालिक ने किसी दवा फर्म या गोदाम के संचालन की जानकारी होने से इन्कार कर दिया।

28 थोक दवा फर्मों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। इन फर्मों में 12 फर्में नशीली दवाओं की बिक्री से जुड़ी है। और बाकी सिर्फ कागजों पर चल रही थीं। शासन के निर्देश पर सभी फर्मों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। अभी अभियान जारी है। आगे और कार्रवाई की जाएगी।

3270 फर्मों की जांच कार्रवाई, जांच अभी जारी : लाइसेंस रद्द करने के मामले में 28 दवा फर्मों में से 16 फर्मों के नाम ड्रग विभाग उजागर ही नहीं किए हैं। सूत्रों के अनुसार इन फर्मों को बचाने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

ये वे फर्में हैं, जिन पर फरवरी से सितंबर तक कार्रवाई की गई है। इन फर्मों के नाम पर लाइसेंस तो जारी हुए, लेकिन दुकान संचालित नहीं की गई। अधिकारियों के अनुसार लाइसेंस सरेंडर करने के लिए समय देने के बावजूद इन फर्मों ने सरेंडर नहीं किया।

योगासन प्रतियोगिता में 26 खिलाड़ियों का चयन, छह अक्टूबर को दिखाएंगे प्रतिभा

गोरखपुर , एजेंसी। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के योगा हॉल में शनिवार को 70वीं माध्यमिक विद्यालयी बालक-बालिका योगासन तहसील स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित हुई। महानगर तहसील से कम विद्यालयों के खिलाड़ियों के पहुंचने के कारण कई वर्गों में खिलाड़ियों को बिना मुकाबले के ही जनपदीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर दिया गया। अलग-अलग आयु वर्गों में कुल 26 खिलाड़ियों का चयन हुआ।

अंडर-14 बालक वर्ग में एमपी इंटर कॉलेज के अश्वनी चौरसिया, अनुपम शर्मा, अनमोल, आदर्श सिंह, आदर्श प्रजापति और एमजी इंटर कॉलेज के अनुराग चौरसिया चयनित हुए। बालिका वर्ग में एमजी की गोल्डी सिंह, अनुष्का पांडेय, अनामिका, एमपी की सोनाक्षी पांडेय और मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज की रिया और सोनम ने क्वालीफाई किया। अंडर-17 बालक वर्ग में एमजी के रामजी, अभिनव कुमार, सतीश, अवनीश कुमार, आदर्श मौर्य और लकी, जबकि बालिका वर्ग में एडी इंटर कॉलेज की सौम्या यादव और एमजी की अंशिका कुमारी चयनित हुई।

छुट्टा पशुओं को बनाते थे निशाना, घर तक पहुंचाते थे बीफ

गोरखपुर , एजेंसी। गोला में मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए दो आरोपियों से पूछताछ में गोकशी और मांस की बिक्री से जुड़े नेटवर्क की जानकारी सामने आई है। आरोपी इन्हें काटने के बाद मांस को घर तक पहुंचाते थे। पुलिस की जांच में नूरी मस्जिद निवासी आजाद का नाम भी सामने आया है। आजाद पहले से इस धंधे में शामिल था और उसके संपर्क में आने के बाद राजू भी इससे जुड़ गया।

पुलिस ने नेटवर्क से जुड़े तीन-चार अन्य लोगों को चिह्नित किया है। आजाद की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार आजाद पहले आजमगढ़ और कुशीनगर से मांस लाकर सप्लाई करता था। वर्ष 2024 में गोला में पकड़े जाने के बाद वह पीपीगंज स्थित अपने ससुराल में रहने लगा। आरोप है कि इसके बाद उसने इलाके में छुट्टा पशुओं को पकड़कर कटना शुरू कर दिया। कुछ दिन पहले गोला में एक त्योहार के दौरान आजाद की राजू से मुलाकात हुई थी। इसके बाद राजू भी उसके संपर्क में आ गया।

पुलिस के मुताबिक आजाद पशुओं को काटता था जबकि राजू और उसका चाचा नुरुल हसन मांस ग्राहकों तक पहुंचाते थे। अब्दुल के पहली बार इस धंधे में शामिल होने की बात सामने आई है।

उरुवा तक पगडंडियों से पहुंचते थे बीफ

सूत्रों के मुताबिक गोला क्षेत्र में कटे मांस को पगडंडियों और संपर्क मार्गों के जरिये उरुवा क्षेत्र तक पहुंचाया जाता था। वहां स्थानीय ग्राहकों के अलावा आसपास के इलाकों में भी इसकी सप्लाई होने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों का दावा है कि आसपास के गांवों में रविवार, बुधवार और शुक्रवार को पशुओं के काटने की गतिविधियां होती थीं। परसा उर्फ अगलरहवा में फायर स्टेशन से करीब 500 मीटर दूर खाली स्थान पर भी ऐसी गतिविधियां होने की बात कही जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार भोर में पशुओं को काटा जाता था। कुछ मांस मौके पर ही बेचा जाता था जबकि बाकी आसपास के क्षेत्रों में भेज दिया जाता था। घटनास्थल के आसपास मांस पकाने की भट्ठी, प्याज के छिलके और शराब की खाली बोतलें मिलने की बात भी सामने आई है। पुलिस इन सभी बिंदुओं की जांच कर रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका खंगाली जा रही है।

नकली पोटाश बनाने के ठिकाने पर छापा, 90 भरे बैग बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी के निर्देश में जिला प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने बीती रात नकली उर्वरक तैयार करने के ठिकाने पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में संदिग्ध पोटाश और अन्य सामग्री बरामद की। फैक्ट्रीनुमा परिसर में प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना के भारत एमओपी और इंडियन पोटाश लिमिटेड के नाम से पैक किए गए 50-50 किलो के 90 बैग मिले। इसके अलावा इसी नाम के करीब 50 नए खाली बैग भी बरामद हुए। जांच के दौरान परिसर से सफेद क्रिस्टल पाउडर से भरे करीब 20 बैग, रंग वाले गेरू के दो बैग, मिश्रण-पीसने की मशीन, दो वजन मशीन, बोरियों की सिलाई मशीन, तीन नीले डिब्बे और चाकू सहित अन्य सामान मिला। मिश्रण मशीन और उसके नीचे पोटाश जैसा गुलाबी क्रिस्टल पाउडर पड़ा मिला। प्रथमदृष्टया आशंका है कि इसी सामग्री को इंडियन पोटाश लिमिटेड के भारत एमओपी के नाम से तैयार किए गए पैकेटों में भरा जा रहा था।

परिसर में करनाल, हरियाणा की एक बीज कंपनी के पैकेटों में 20-20 किलो की गहरे भूरे रंग की दानेदार सामग्री भी मिली, जो देखने में डीएपी जैसी प्रतीत हुई। इससे आशंका जताई गई कि कथित रूप से नकली डीएपी तैयार कर उसकी आपूर्ति की तैयारी की जा रही थी। अधिकारियों के अनुसार अक्टूबर और नवंबर में किसानों को पोटाश और डीएपी की आवश्यकता अधिक रहती है, ऐसे में नकली उर्वरक की संभावित आपूर्ति गंभीर मामला है। मौके से संदिग्ध एमओपी, डीएपी जैसी सामग्री और सफेद क्रिस्टल पाउडर के नमूने लिए गए हैं, जिन्हें परीक्षण के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा जाएगा। प्रशासन के अनुसार बरामद पैकेटों पर संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन भी प्रथमदृष्टया सामने आया है। नकली या मिलावटी उर्वरक के निर्माण एवं बिक्री के संबंध में उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई की जा रही है। मौके पर मजिस्ट्रेट, नायब तहसीलदार, चौकी प्रभारी नगर कोतवाली और कृषि विभाग की टीम ने परिसर को सील कर दिया। अवैध उर्वरक कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई प्रक्रिया में है। प्रशासन ने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और अधोमानक अथवा नकली उर्वरक के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई का अभियान जारी रहेगा।

डिजिटल डीएल की राह का रोड़ा, 300 से अधिक आवेदन लटके

दो महीने से अप्रूवल ठप, चक्कर काट रहे लाइसेंसधारक

कानपुर, एजेंसी। कानपुर आरटीओ में पुराने मैनुअल ड्राइविंग लाइसेंस को डिजिटल व ऑनलाइन रिकॉर्ड से जोड़ने की प्रक्रिया मुख्यालय स्तर पर अटकी अप्रूवल व्यवस्था के कारण ठप पड़ गई है। जून 2026 में जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत अप्रूवल का अधिकार स्थानीय आरटीओ से हटाकर लखनऊ मुख्यालय को दे दिया गया था।

केस एक- अगस्त से अटका है अप्रूवल : देवी सहाय नगर के रहने वाले दीपक कनौजिया ने अगस्त माह में ड्राइविंग लाइसेंस को ऑनलाइन करने के लिए प्रार्थना पत्र के साथ सभी जरूरी कागजातों को कार्यालय में जमा किया था लेकिन अभी तक मुख्यालय से अप्रूवल नहीं मिल सका है।

केस दो- नहीं बन पा रहा नया लाइसेंस : गोविन्द नगर निवासी रोहित खन्ना के लाइसेंस की समय सीमा जून में समाप्त हो गई थी। दोबारा बनवाने के लिए मैनुअल लाइसेंस को ऑनलाइन फीड कराने के लिए अगस्त माह में आवेदन किया था। अभी तक अप्रूवल न मिलने से नया लाइसेंस नहीं बन सका है। कानपुर में पुराने मैनुअल ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) को ऑनलाइन रिकॉर्ड और स्मार्ट कार्ड व्यवस्था से जोड़ने की परिवहन विभाग की प्रक्रिया वाहन लाइसेंसधारकों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। आरटीओ कार्यालय में पुराने लाइसेंसों का डेटा ऑनलाइन फीड किया जा रहा है, लेकिन अंतिम अप्रूवल का अधिकार मुख्यालय को दिए जाने के बाद करीब दो महीने से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है।

अंतिम अप्रूवल की व्यवस्था बदल दी गई थी : अब तक 300 से ज्यादा लाइसेंसधारकों के रिकॉर्ड फीड होने के बावजूद मंजूरी नहीं मिली है। इसके चलते रोजाना 10 से 15 लोग समस्या लेकर आरटीओ कार्यालय पहुंच रहे हैं। जून 2026 में जारी नए दिशा-निर्देशों के बाद बैकलॉग डीएल के अंतिम अप्रूवल की व्यवस्था बदल दी गई थी। पहले डेटा फीडिंग के साथ अप्रूवल भी स्थानीय आरटीओ स्तर पर हो जाता था।

मुख्यालय से होगा अंतिम अप्रूवल : अब स्थानीय कार्यालय की भूमिका रिकॉर्ड फीड करने तक सीमित है और अंतिम मंजूरी मुख्यालय स्तर से होनी है। अगस्त से स्थानीय स्तर पर बैकलॉग डीएल का अप्रूवल बंद है। स्थिति यह है कि लाइसेंसधारक स्थानीय कार्यालय में प्रक्रिया पूरी कराने के बाद भी उसी स्तर से समाधान नहीं पा रहे हैं। कर्मचारियों की ओर से उन्हें बताया जा रहा है कि रिकॉर्ड मुख्यालय भेजा जा चुका है और अंतिम अप्रूवल वहीं से होगा।

यानी आवेदन स्थानीय स्तर पर, फीडिंग स्थानीय स्तर पर, लेकिन मंजूरी के लिए आवेदक की फाइल मुख्यालय के भरोसे है। दुर्घटना की स्थिति में बीमा दावे को लेकर भी कुछ लाइसेंसधारक चिंतित हैं। हालांकि, केवल ऑनलाइन रिकॉर्ड लंबित होने से बीमा क्लेम स्वतः खारिज नहीं होता। क्लेम का निर्णय संबंधित पॉलिसी की शर्तों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर बीमा कंपनी करती है।

सिर्फ लाइसेंस के अप्रूवल की जरूरत : आरआई (प्राविधिक) संतोष कुमार ने बताया कि अब तक 300 से अधिक बैकलॉग डीएल का डाटा ऑनलाइन फीड किया जा चुका है। सिर्फ लाइसेंस के अप्रूवल की जरूरत है। डेटा फीडिंग के बाद भी अंतिम मंजूरी न मिलने से रिकॉर्ड ऑनलाइन व्यवस्था में लंबित दिखाई दे रहे हैं। आवेदक जानकारी और समाधान के लिए लगातार कार्यालय पहुंच रहे हैं।

व्यवस्था बदली, लेकिन बैकलॉग का रास्ता साफ नहीं : पुराने मैनुअल लाइसेंस को डिजिटल रिकॉर्ड से जोड़ने का उद्देश्य लाइसेंस की जानकारी को ऑनलाइन उपलब्ध कराना और सत्यापन को आसान बनाना है, लेकिन अप्रूवल की जिम्मेदारी स्थानीय कार्यालय से हटाकर मुख्यालय स्तर पर किए जाने के बाद बैकलॉग मामलों में अड़चन पैदा हो गई है। स्थानीय स्तर पर कर्मचारी रिकॉर्ड फीड कर रहे हैं, लेकिन अंतिम चरण पर पहुंचकर आवेदन अटक रहे हैं।

संगठन की मजबूती को लेकर भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक, क्षेत्रीय महामंत्री ने आगामी कार्यक्रमों पर की चर्चा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से रविवार को क्षेत्र के एक फार्म हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत तथा सक्रिय बनाने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पार्टी के क्षेत्रीय महामंत्री एवं गाजियाबाद जिला प्रभारी संजीव गोयल सिक्का ने पार्टी के संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। स्थानीय भाजपा विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने बताया कि इस बैठक में संगठन को धरातल पर और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी जुटेंगे। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यवीर सिंह राघव तथा दिनेश सिंघल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वैश्य अग्रवाल धर्मशाला में कार्यक्रम की तैयारियां तेज, संजय गर्ग ने जुटाया समर्थन

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। सहारनपुर की वैश्य अग्रवाल धर्मशाला में 7 से 11 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। कार्यक्रम की सफलता को लेकर पूर्व राज्य मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता संजय गर्ग ने कुलदीप गोयल के आवास पर पहुंचकर आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की और समाज के लोगों से समर्थन जुटाया। बैठक के दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संजय गर्ग ने कहा कि आयोजन की सफलता के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर शामिल होने और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, लोगों की भागीदारी और आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। इस दौरान वैश्य समाज के नगर अध्यक्ष अमित गोयल सहित गुरुधन गोयल, अंकित गोयल और सावन मित्तल मौजूद रहे।

कैराना और झाड़खेड़ी में भाजपा क्षेत्रीय महामंत्री रूपेन्द्र सैनी का जोरदार स्वागत

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय महामंत्री रूपेन्द्र सैनी के कैराना और ग्राम झाड़खेड़ी पहुंचने पर पार्टी कार्यकताओं एवं समर्थकों ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। उनके अभिनंदन के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। कैराना में मनीष चौहान सहित कार्यकताओं ने रूपेन्द्र सैनी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद ग्राम झाड़खेड़ी में आयोजित स्वागत समारोह में ग्रामीणों और भाजपा कार्यकताओं ने उनका फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी पार्टी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकताओं के साथ चर्चा की गई। रूपेन्द्र सैनी ने स्वागत के लिए कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर सक्रियता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी कार्यकताओं को आपसी समन्वय के साथ संगठन को और मजबूत बनाने के लिए सक्रिय रहना चाहिए। इस अवसर पर अजीत सैनी, सागर गर्ग, रोहतास सैनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन प्रहार के तहत मसूरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 6 किलो 366 ग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ह्लऑपरेशन प्रहारह्व के तहत थाना मसूरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने उसके कब्जे से 6 किलो 366 ग्राम अवैध गांजा बरामद करने का दावा किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

पुलिस के अनुसार थाना मसूरी पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए एक व्यक्ति को पुलिस टीम ने रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद गांजे का वजन कराया, जो 6 किलो 366 ग्राम पाया गया। इसके बाद पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम अभियुक्त से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद गांजा कहां से लाया गया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस टीमों द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के साथ-साथ ऐसे स्थानों पर भी निगरानी बढ़ाई जा रही है, जहां मादक पदार्थों की तस्करी की आशंका रहती है। ऑपरेशन प्रहार के तहत हुई इस कार्रवाई को पुलिस की मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ जारी मुहिम की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है।

मेरा सहारनपुर-मेरा गौरव में चमके शहर के सितारे, 10 विभूतियों को मिला गौरव सम्मान

सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्रीजाहरवीर गोगा जी महाराज की स्मृति में आयोजित मेला गुघाल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में नगर निगम और सिटीवेब न्यूज के सहयोग से मेरा सहारनपुर-मेरा गौरव समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता प्राची चौधरी, क्रिकेटर एवं कोच भावना तोमर, उपसभापति मयंक गर्ग, कार्यक्रम संयोजक नीरज शर्मा और संजय फुटेला ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में देश, प्रदेश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहारनपुर का नाम रोशन करने वाली 10 विभूतियों को सहारनपुर गौरव अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में खेल क्षेत्र से एशियाई खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली धावक प्राची चौधरी, महिला क्रिकेटर एवं कोच भावना तोमर और राष्ट्रीय स्तर की स्वर्ण पदक विजेता पैरा शूटर अंश गुप्ता शामिल रहे। चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. अनिल मलिक और डॉ. संजीव मित्तल, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी-व्यवसाय क्षेत्र में हर्षिता अरोड़ा और शुभावरी चौहान, अभिनय के क्षेत्र में द कपिल शर्मा शो की कलाकार मंजू बृजभूषण शर्मा, शिक्षा के क्षेत्र में लीना दुआ तथा सामाजिक क्षेत्र में विनोद गुप्ता को सम्मानित किया गया। डिजिटल सृजन, सामाजिक माध्यम और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रेरणा लखेड़ा, ज्योति मल्होत्रा, दिया मेहता, तनु शर्मा, कांवड़ यात्रा सेवा शिविर संघ के अध्यक्ष संजय फुटेला तथा एचटीसी अध्यक्ष सरदार परम बतरा को सिटीवेब एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किया गया। पद्मश्री भारत भूषण, महापौर डॉ. अजय कुमार, सपा नेता शायन मसूद समेत अन्य अतिथियों ने सम्मानित विभूतियों को स्मृति चिह्न और सम्मान पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में बाल एवं युवा कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। समारोह का प्रमुख आकर्षण दीपक अरोड़ा द्वारा सहारनपुर के इतिहास, विरासत, उपलब्धियों और बदलते स्वरूप पर आधारित विशेष वृत्तचित्र रहा। इसमें पुराने सहारनपुर से आधुनिक और विकास की ओर बढ़ते शहर की यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नगर निगम और स्मार्ट सिटी लिमिटेड के विकास कार्यों को भी वृत्तचित्र में प्रमुखता से दिखाया गया। मुख्य अतिथि महापौर डॉ. अजय कुमार ने सम्मानित विभूतियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तित्व सहारनपुर के नायक हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और योगदान से शहर को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि 2047 के विकसित भारत का सपना ऐसे ही प्रतिभाशाली और कर्मठ लोगों के प्रयासों से साकार होगा। उन्होंने सहारनपुर में कृषि आधारित उद्योगों की संभावनाओं को विस्तार देने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन क्वांटम यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित दीक्षित और काजल खुराना ने किया। इस दौरान अनेक पार्षद और शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अंकित बलियान हत्याकांड में फरार तीन आरोपियों के घर पुलिस ने की कुर्की

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणवी गायक अंकित बलियान हत्याकांड में फरार चल रहे तीन आरोपियों के खिलाफ शामली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा स्थित उनके मकानों से कुर्की योग्य संपत्ति जब्त कर ली। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कैराना, शामली के आदेश पर रविवार को क्षेत्राधिकारी नगर जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों के मूल पते पर पहुंचकर नियमानुसार कुर्की की कार्रवाई की।

गौरतलब है कि 26 अगस्त 2026 की शाम करीब 6:45 बजे नालापटरी स्थित व्यायामशाला से अंकित बलियान पुत्र सतवीर फौजी निवासी ग्राम बनतीखेड़ा, थाना बाबरी, व्यायाम कर बाहर निकले थे। इसी दौरान चार हथियारबंद बदमाशों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। मृतक के पिता सतबीर सिंह की तहरीर पर कोतवाली शामली में चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए कई टीमें गठित की थीं। 31 अगस्त को कोतवाली शामली, थाना झिंझाना और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी मोहित और सुमित पुलिस की आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में घायल हुए थे। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं 30 सितंबर को आरोपी रोहित लाडला को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। मामले में राहुल उर्फ भोलू शाहपुरिया, आर्यन संधू और सत्यम कादयान फरार चल रहे थे। न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने पर तीनों के खिलाफ फरारी की उद्घोषणा की गई। न्यायालय ने 3 अक्टूबर को उनकी संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए। इसके अनुपालन में 4 अक्टूबर को पुलिस ने हरियाणा पहुंचकर कार्रवाई की। राहुल उर्फ भोलू शाहपुरिया के मकान से डबल बेड, सेफ, वाशिंग मशीन, वातानुकूलक, संदूक, एलईडी टीवी और व्यायामशाला का सामान सहित अन्य संपत्ति कुर्क की गई। आर्यन संधू के मकान से सेफ, वाशिंग मशीन, वातानुकूलक, संदूक, एलईडी टीवी और इनवर्टर-बैटरी सहित सामान जब्त किया गया। सत्यम कादयान के मकान से सेफ, दीवान बेड, व्यायामशाला का सामान, सोफा और डाइनिंग टेबल सहित अन्य संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस के अनुसार फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

फैक्ट्री से चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान व वारदात में प्रयुक्त कार बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मधुबन बापूधाम पुलिस ने फैक्ट्री से चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार, चोरी किए गए लोहे के मशीनरी पार्ट्स सहित अन्य सामान और नकदी बरामद की है। पुलिस की कार्रवाई से चोरी की घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का रास्ता साफ हुआ है।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 3 अक्टूबर 2026 को वादी के कारखाने में चोरी की घटना हुई थी। मामले की जांच के दौरान थाना मधुबन बापूधाम पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार संख्या HR55AD4437 बरामद की गई।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लोहे के मशीनरी पार्ट्स के छह नग, KULKAPAI POWER TOOLS DRILL मशीन, दो तांबे की लीड, एक कमानी, एक आईफोन मोबाइल फोन ग्रे रंग तथा एक सैमसंग ए-23 मोबाइल फोन सिल्वर रंग, जो क्षतिग्रस्त हालत में है, बरामद किया है। इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से 4,000 रुपये की नकदी भी बरामद हुई है।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि बरामद सामान की पहचान व घटना से संबंधित तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मेरा सहारनपुर-मेरा गौरव में चमके शहर के सितारे, 10 विभूतियों को मिला गौरव सम्मान

कबूतर उड़ गया कोड वर्ड बोलकर बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, तीन शातिर दबोचे, चार बाइक बरामद

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदीनगर पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की चार बाइकें बरामद की हैं। यह गिरोह बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद अपने साथी को अलर्ट करने के लिए 'कबूतर उड़ गया' कोड वर्ड का इस्तेमाल करता था।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ वाहन चोर चोरी की बाइकों को बेचने की फिराक में जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान तीन संदिग्धों को रोककर पूछताछ की गई तो वाहन चोरी के मामले का खुलासा हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुज निवासी चूना भट्टी, इंदिरापुरी, ध्रुव त्यागी निवासी गांव डिडौली, थाना मुरादनगर और दीपक निवासी त्रिमूर्ति बिहार, जलालपुर रोड, मुरादनगर के रूप में हुई है।

पुलिस पूछताछ और बरामदगी की जानकारी देते हुए एसीपी ने बताया कि बदमाशों के कब्जे से चोरी की चार बाइकें बरामद हुई हैं। इनमें से दो बाइकें मोदीनगर थाना क्षेत्र और एक बाइक निवाड़ी थाना क्षेत्र से चुराई गई थी, जबकि चौथी बाइक के संबंध में जांच की जा रही है कि उसे कहां से पार किया गया था।

मास्टर चाबी से चुराते थे बाइक, पार्ट्स निकालकर बेचते थे

एसीपी के अनुसार, यह गिरोह बाइक चोरी करने के लिए मास्टर चाबी का इस्तेमाल करता था और महज कुछ ही सेकंड में वाहन उड़ा लेता था। जैसे ही चोरी की घटना पूरी होती, चोरी करने वाला बदमाश अपने साथी को 'कबूतर उड़ गया' कहकर संदेश भेजता था। इसके बाद चोरी की गई बाइकों को एक खाली मैदान के पास छुपाकर रख दिया जाता था और बाद में उनके कलपुर्जे (पार्ट्स) अलग अलग करके बेचे जाते थे।

पुलिस ने बताया कि इस गिरोह में शामिल दो अन्य साथी राज निवासी मुरादनगर और अजगर निवासी ढिकोली, बागपत फिलहाल फरार हैं। पुलिस की टीमें फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं और जल्द ही उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा।

निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर में सैकड़ों लोगों ने कराई दांतों की जांच

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे के मोहल्ला सराय नैन सिंह स्थित ब्लू वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में रविवार को निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। वार्ड सभासद पराग अग्रवाल की पहल पर आयोजित शिविर में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और दांतों की जांच कराकर चिकित्सकों से परामर्श लिया। शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. नरेश शर्मा और डॉ. संध्या शर्मा ने मरीजों के दांतों और मुख संबंधी समस्याओं की जांच की। चिकित्सकों ने लोगों को दांतों की नियमित सफाई, मुख की स्वच्छता और दांतों की उचित देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। जांच के बाद जिन मरीजों को दवा की आवश्यकता थी, उन्हें निशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आयोजक पराग अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रकार के जनहितकारी शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार की दंत समस्या होने पर समय रहते चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की। शिविर में पहुंचे लोगों ने निशुल्क जांच, चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं उपलब्ध कराने की पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी बताया। शिविर के माध्यम से लोगों को दांतों की नियमित जांच और मुख की स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया गया।

हनुमान प्रतिमा खंडित होने से मचा हड़कंप, दो सगे भाई हिरासत में

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना-बुंदकी मार्ग पर ग्राम सुखीपुर उर्फ मुगलवाला के सामने सड़क किनारे स्थापित भगवान हनुमान की प्रतिमा को शनिवार देर रात अज्ञात शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। रविवार सुबह पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रतिमा को खंडित अवस्था में देखा तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में भी खलबली मच गई और अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार और क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह सोलंकी ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूछताछ के लिए पुलिस ने गांव के ही दो सगे भाइयों को हिरासत में लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही घटना के संबंध में अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क किनारे स्थापित हनुमान प्रतिमा पर प्रतिदिन सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। लोग यहां पूजा-पाठ और दर्शन करते हैं। शनिवार रात किसी समय अज्ञात लोगों ने प्रतिमा के चेहरे, शरीर तथा एक हिस्से को क्षतिग्रस्त कर दिया। रविवार सुबह प्रतिमा की स्थिति सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए घटना का शीघ्र खुलासा करने का भरोसा दिलाया।

आराधना मिश्रा मोना के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर कांग्रेसियों ने बांटी मिठाई

शामली (शिखर समाचार)। कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के मनोनयन पर रविवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने खुशी जताते हुए मिठाई वितरित की। कार्यकताओं ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को नई मजबूती मिलेगी और पार्टी जनहित के मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठाएगी।

ओमप्रकाश शर्मा के कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा का आभार व्यक्त किया। इस दौरान आराधना मिश्रा मोना को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के साथ ही सहारनपुर सांसद इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष तथा देवेंद्र निषाद और आलोक प्रताप को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए जाने पर भी कार्यकताओं ने हर्ष जताया।

ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि आराधना मिश्रा मोना का लंबा राजनीतिक अनुभव और कुशल नेतृत्व प्रदेश में कांग्रेस संगठन को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए आमजन की आवाज बनने का कार्य करेगी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

कार्यकताओं ने कहा कि नई जिम्मेदारियों से संगठन में उत्साह बढ़ा है और आने वाले समय में कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ काम करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

इस अवसर पर बाबूखान, प्रवीण तरार, ओमवीर उपाध्याय, शेखर पाल, रविंद्र आर्य, विनोद कुमार अत्री, आदेश कश्यप, सागर कालखंडे आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

जंतर-मंतर की घटना लोकतंत्र के प्रहरी और पुलिस की जवाबदेही की परीक्षा

जंतर मंतर को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में उस स्थान के रूप में देखा जाता है जहां सत्ता के सामने जनता अपनी आवाज बुलंद करती है और जहां असहमति को लोकतंत्र की स्वाभाविक अभिव्यक्ति माना जाता है। लेकिन दिल्ली के जंतर-मंतर पर 3 अक्टूबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों और एक प्रदर्शनकारी युवती द्वारा पुलिसकर्मियों पर लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों ने इस लोकतांत्रिक स्थल की गरिमा के साथ-साथ पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला इसलिए भी बेहद संवेदनशील है क्योंकि आरोप लगाने वाली महिलाओं में पत्रकार शामिल हैं, जो स्वयं घटनास्थल पर लोकतांत्रिक गतिविधि को दर्ज करने के लिए मौजूद थीं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तीन महिलाओं ने नई दिल्ली क्षेत्र में प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए और अपनी शिकायतें पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में दीं। एक महिला पत्रकार ने आरोप लगाया कि आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा को हिरासत में लिए जाने के दौरान जब उन्होंने पुलिस कार्रवाई के संबंध में सवाल किया तो सहायक पुलिस आयुक्त विवेक भगत ने उनके साथ अनुचित व्यवहार किया, उनके सीने पर हाथ मारा और उन्हें पीछे धकेल दिया। एक अन्य वरिष्ठ महिला पत्रकार तथा प्रदर्शन में शामिल एक युवती ने भी पुलिसकर्मियों पर कथित यौन हमले के आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी जांच का विषय है और यही लोकतांत्रिक व्यवस्था का तकाजा भी है कि न तो शिकायतकर्ता को बिना जांच के गलत ठहराया जाए और न ही आरोपी को बिना प्रमाण दोषी घोषित किया जाए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दिल्ली पुलिस ने शिकायतों को स्वीकार करने के बाद मामले की जांच अपराध शाखा को सौंप दी है। पुलिस का कहना है कि निष्पक्ष जांच के लिए शिकायतों को अपराध शाखा भेजा गया है और शिकायतकताओं तथा अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जाएंगे। यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन अब असली कसौटी जांच की गति, पारदर्शिता और निष्पक्षता होगी। यदि आरोप गलत हैं तो जांच उन्हें स्पष्ट करे और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार व्यक्ति के पद या प्रभाव की परवाह किए बिना कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। यही कानून के शासन का मूल अर्थ है।

इस पूरे प्रकरण का दूसरा और उतना ही गंभीर पक्ष पत्रकारों की स्वतंत्रता का है। पत्रकार किसी प्रदर्शन में किसी राजनीतिक दल के समर्थक के रूप में नहीं, बल्कि घटनाओं को समाज तक पहुंचाने की जिम्मेदारी के साथ पहुंचता है। उसे पुलिस की कार्रवाई का दृश्य रिकॉर्ड करने, सवाल पूछने और प्रत्यक्षदर्शियों से बात करने का अधिकार होना चाहिए। यदि कानून-व्यवस्था की स्थिति में पत्रकारों और पुलिस के बीच दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है तो उसके लिए स्पष्ट नियम और प्रशिक्षित अधिकारी होने चाहिए। कैमरे छीनने, पत्रकारों को घसीटने या उनके काम में बाधा डालने जैसी शिकायतें लोकतांत्रिक समाज के लिए चिंता का विषय हैं। प्रेस काउंसिल ने भी घटना पर चिंता जताते हुए कहा है कि पत्रकारों को भय और आक्रामकता के माहौल के बिना अपना काम करने दिया जाना चाहिए।

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि यदि किसी महिला की शिकायत पुलिस के खिलाफ हो तो उसकी शिकायत दर्ज करने और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया कितनी संवेदनशील होनी चाहिए। पुलिस नागरिकों की शिकायत सुनने वाली संस्था है। जब शिकायत ही पुलिसकर्मी के खिलाफ हो जाती है तो उसी व्यवस्था के भीतर निष्पक्षता का भरोसा कायम करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे मामलों में स्वतंत्र अधिकारी, महिला पुलिसकर्मी, स्पष्ट अभिलेखीकरण, घटनास्थल के कैमरों की फुटेज, उपलब्ध वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान जांच के महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं। किसी शिकायतकर्ता को थाने के चक्कर लगवाना या उसे तत्काल सुनवाई का भरोसा न देना जनता के विश्वास को कमजोर करता है।

~ मौलिक चिंतन ~

जो खुद से संवाद करने का शौक रखता है, वह भीतर से मजबूत और बाहर से शांत हो जाता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

भारतीय खिलाड़ियों का जापान में श्रेष्ठ प्रदर्शन

सनत जैन

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन कर दिया। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 85 पदक अपने नाम किए, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह भारत ने एशिया के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीत कर पहली बार सारी दुनिया को चौंकाया था। 2026 में 2023 का रिकॉर्ड तो भारत नहीं तोड़ पाया लेकिन उसने जो सफलता प्राप्त की है भारत के लिए यह अभियान कई मायनों में अति महत्वपूर्ण रहा। अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने न केवल पदक जीते, बल्कि कई मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए भी उम्मीदें बढ़ाई हैं। खास तौर पर निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुश्ती में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

एशियन गेम्स में भारत के खाते में कुल 21 स्वर्ण पदक आए। इनमें कई ऐसे मुकाबले रहे, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों ने कड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। रजत पदकों की संख्या 27 और कांस्य पदकों की संख्या 37 रही। इस तरह भारत ने कुल 85 पदकों के साथ प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय खेलों में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुश्ती जैसे खेलों पर ध्यान बढ़ा है, उसका असर एशियन गेम्स के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया है। निशानेबाजी भारत के लिए प्रमुख पदक दिलाने वाले खेलों में शामिल रही। भारतीय निशानेबाजों ने विभिन्न स्पधाओं में शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण पदक हासिल किए। वहीं तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, एकाग्रता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का परिचय दिया। एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रैक एंड फील्ड स्पधाओं में मिले पदकों ने भारत की पदक तालिका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुश्ती में भी भारतीय पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए।

एशियन गेम्स 2026 का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय महिला हॉकी टीम का स्वर्ण पदक हासिल करना रहा है। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफलता का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इसके साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया। महिला हॉकी टीम की इस उपलब्धि ने भारतीय खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया और यह साबित किया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। एशियन गेम्स में 85 पदकों के साथ चौथा स्थान भारत के लिए उत्साहजनक परिणाम माना जा सकता है। इस प्रदर्शन से देश के खिलाड़ियों और खेल संघों के सामने अब अगले बड़े अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए और बेहतर तैयारी करने की चुनौती भी है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि पदक केवल एक-दो खेलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता दिखाई। 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदकों का यह प्रदर्शन भारतीय खेलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का संकेत देता है। एशियन गेम्स 2026 का भारतीय अभियान इस संदेश के साथ समाप्त हुआ, देश के खिलाड़ी अब एशियाई ही नहीं, बल्कि वैश्विक खेल मंच पर भी बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी

नीरज कुमार दुबे

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है।

वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है-ह्णशिक्षकों के साथ खड़े रहनाः पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना ह्न यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियां, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है। आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकशील, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है।

महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। ह्यसा विद्या या विमुक्तयेह्न-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियां दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में शांति के निमार्ता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव पड़ती है।

आज आवश्यकता ऐसे शिक्षक की है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं। एआई का उपयोग ज्ञान और सृजन के लिए हो, मानवीय विवेक को समाप्त करने के लिए नहींकृ-संतुलन को समझाने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। शिक्षक को आज स्वयं भी निरंतर सीखना होगा। जिस गति से तकनीक बदल रही है, उसमें शिक्षक यदि अपने ज्ञान को स्थिर कर लेगा तो विद्यार्थी से पीछे रह जाएगा। इसलिए आज का शिक्षक केवल ह्यगुरुह्न नहीं, स्वयं भी आजीवन विद्यार्थी है। यूनेस्को की वर्तमान पहल भी इसी बदलती परिस्थिति में शिक्षक के पेशेवर विकास और समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। शिक्षक की तुलना एक शिल्पकार से की जा सकती है। शिल्पकार पत्थर में छिपी प्रतिमा को देख लेता है और फिर धीरे-धीरे अनावश्यक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है। किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की। शिक्षक का दायित्व सभी को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्टता को पहचानकर उसे विकसित करना है।

नई सृष्टि का निर्माण ईंट-पत्थरों से नहीं, नई चेतना वाले मनुष्यों से होगा। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की कार्य-व्यवस्था को कितना भी बदल दे, मनुष्य की करुणा, नैतिकता, कल्पनाशीलता और उत्तरदायित्व का महत्व बना रहेगा। इसलिए आज शिक्षक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि वह विद्यार्थी को कितनी जानकारी दे सकता है, बल्कि यह है कि वह विद्यार्थी को कैसा मनुष्य बना सकता है। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ का विचार था कि व्यक्तित्व-निर्माण अत्यंत कठिन कार्य है और जागरूक, निःस्वार्थ शिक्षक ही दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है। यही शिक्षक की असली तपस्या है। वह प्रतिदिन अनेक जीवनों को स्पर्श करता है और उसे पता भी नहीं होता कि उसकी कही हुई कोई छोटी-सी बात किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकती है। आज विश्व शिक्षक दिवस हमें केवल शिक्षकों को धन्यवाद देने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह आत्ममंथन का भी अवसर है कि हम शिक्षक को वह सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग दे रहे हैं या नहीं, जिसकी उसे आवश्यकता है। 1966 की अनुशंसा के छह दशक बाद भी यूनेस्को इस पेशे की स्थिति को पुनर्विचार का विषय बना रहा है, क्योंकि बदलती दुनिया ने शिक्षक के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

आज शिक्षक के हाथ में केवल चॉक और किताब नहीं, बल्कि आने वाली सभ्यता की दिशा है। वह तय कर सकता है कि एआई से समृद्ध होने वाली दुनिया अधिक मानवीय बनेगी या अधिक यांत्रिक; ज्ञान बढ़ने के साथ विवेक बढ़ेगा या नहीं; तकनीकी प्रगति के साथ करुणा और अहिंसा भी आगे बढ़ेंगी या नहीं। इसलिए 2026 की थीम-ह्णशिक्षकों के साथ खड़े रहनाह्न दरअसल भविष्य के साथ खड़े रहने का आह्वान है। शिक्षक को सशक्त करना नई पीढ़ी को सशक्त करना है। शिक्षक का सम्मान करना ज्ञान, संस्कार और मानवता का सम्मान करना है। और शिक्षक को उसकी गरिमा लौटाना उस नई सृष्टि की नींव मजबूत करना है, जिसमें विज्ञान के साथ संवेदना, बुद्धि के साथ विवेक, शक्ति के साथ करुणा और प्रगति के साथ शांति का सह-अस्तित्व हो। क्योंकि मशीनें भविष्य को तेज बना सकती हैं, लेकिन शिक्षक ही भविष्य को मानवीय बना सकते हैं।

नीरजा भनोट से स्मित मच्छार तक, हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया

राकेश सैन

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलवा दी है जब एक अन्य हिंदू विरांगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजारों फीट की ऊंचाई खो दी। स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करने का रास्ता बना।

इसके बाद इजारायली यात्री यानिव हयून कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हयून ने हमलावर को पीछे से पकडकर नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छार ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इस्राइली नागरिक थे। विमान को क्रैश करने की कोशिश करने वाला को-पायलट ओमान का निवासी था।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को 'अविस्वसनीय' बताया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने जिस तरह स्थिति का सामना किया, उसने यात्रियों और चालक दल को हस्तक्षेप का मौका दिया। पीएम मोदी ने उन्हें 'हीरो' बताते हुए कहा कि उनके साहस ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। डोनाल्ड ट्रंप ने भी घटना को लेकर कैप्टन मच्छार और यात्री यानिव हयून की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने दरवाजा खोलकर अहम भूमिका निभाई। वैसे इस घटना का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है परंतु समझा जा रहा है कि अगर दुर्घटना हो जाती तो यह अमेरिका के ट्विन टावरों पर हुए आतंकी घटना का ही दूसरा रूप होती, संभव है इसके बाद इस्राईल की भी सैनिक प्रक्रिया होती और दुनिया में शांति व्यवस्था को नया खतरा पैदा हो जाता, जो पहले ही इरान-अमेरिका और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते संकट में चली आ रही है। स्मित मच्छार की बहादुरी ने न केवल पौने दो सौ लोगों का जीवन बचाया बल्कि दुनिया को भी एक बड़े संकट से बचा लिया।

30 सितम्बर को हुई इस घटना ने एक और हिन्दू विरांगना नीरजा भनोट का पुण्य स्मरण करवा दिया है जो इसी तरह की घटना में शहीद हुई थीं परंतु जीवन के अंतिम क्षण तक अपहृत जहाज के यात्रियों की सुरक्षा के लिए आतंकियों से लड़ती रहीं। उनकी बहादुरी को देख कर पाकिस्तान ने भी उन्हें तमगा-ए-इंसानियत पुरस्कार से सम्मानित किया। 5 सितंबर 1986 की सुबह कराची का जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पैन अमेरिकन वर्ल्ड की फ्लाइट 73 मुंबई से न्यूयॉर्क के सफर पर थी और कराची उसका एक पड़ाव था। विमान में करीब 360 यात्री और 19 क्रू सदस्य मौजूद थे। लेकिन अचानक विमान में चार हथियारबंद आतंकी घुस आए और उन्होंने फ्लाइट को हाईजैक कर लिया। उस समय विमान की सीनियर फ्लाइट पर्सर थीं 22 साल की नीरजा भनोट। हालात बेहद खतरनाक थे, लेकिन नीरजा ने घबराने के बजाय तुरंत समझ लिया कि यात्रियों को बचाने के लिए क्या करना जरूरी है। उन्होंने कॉकपिट तक हाईजैक का संकेत पहुंचाया। इसकी वजह से पायलट और दूसरे कॉकपिट क्रू सदस्य विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे जिससे विमान के उड़ान भरने की संभावना खत्म हो गई और आतंकवादी अंदर फंस गए यात्रियों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करने लगे। आतंकवादियों की नजर अमेरिकी यात्रियों पर थी। नीरजा ने अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छिपाने शुरू कर दिए। पासपोर्ट कूड़ेदान में डाल दिए गए, ताकि आतंकवादियों को यह पता न चल सके कि विमान में कौन-कौन से अमेरिकी नागरिक मौजूद हैं। करीब 17 घंटे तक विमान जमीन पर खड़ा रहा। जब विमान की बिजली चली गई, तो स्थिति अचानक और ज्यादा खतरनाक हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। अफरा-तफरी के बीच नीरजा ने इमरजेंसी गेट खोल दिया। उनके सामने मौका था कि वह खुद सबसे पहले विमान से बाहर निकल जाएं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

उन्होंने यात्रियों को बाहर निकलने में मदद करना शुरू किया। नीरजा ने बच्चों समेत कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इसी दौरान वह आतंकवादियों की गोली का निशाना बन गईं। तीन बच्चों को बचाने की कोशिश करते हुए उन्हें गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल नीरजा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। इस घटना में 20 लोगों की मौत हुई. हालांकि, नीरजा की सूझबूझ और साहस के कारण सैकड़ों यात्री सुरक्षित बच पाए।

नीरजा भनोट की बहादुरी को भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सम्मान मिला. भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया। पाकिस्तान ने भी उनकी बहादुरी को मान्यता देते हुए उन्हें 'तमगा-ए-इंसानियत' से सम्मानित किया। अमेरिका में भी उनकी बहादुरी के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। बाद के वर्षों में उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया और मुंबई में एक चौक का नाम भी उनके नाम पर रखा गया। आज स्मित मच्छार ने नीरजा भनोट की उसी बहादुरी की पुनः स्मृति करवा दी है और दुनिया हिन्दुओं की शूरवीरता व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कब, कितने और कहां जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहां दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएं। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएं। भगवान विष्णु के समक्ष घी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।

श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुर्नभोजन अर्थात एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाएं जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तृप्त करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या के लिए पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। सर्व पितृ अमावस्या कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करना बेहद शुभ माना जाता है। अब ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान

हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जातकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।

आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवती कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते है।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जग्गी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती है।

शास्त्रों और पुराणों में बताए

चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते है।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं।

हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है।

क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए

मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं।

प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए

प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है।

लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।

निवेश का रास्ता- रिटर्न से आगे, आपकी जीवनशैली और समय तय करेंगे सही विकल्प

90 फीसदी निवेश म्यूचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में

नई दिल्ली ।

लंबी अवधि में धन सृजन के लिए सीधे शेयरों या म्यूचुअल फंड में से क्या चुनें, यह सिर्फ रिटर्न का गणित नहीं है। आपकी जीवनशैली, उपलब्ध समय और वित्तीय लक्ष्य इस निर्णय में अहम भूमिका निभाते हैं। व्यस्त पेशेवरों के लिए सही चुनाव उनके करियर और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। यदि आप प्रति सप्ताह 50 घंटे से अधिक काम करते हैं, तो सीधे शेयरों में निवेश मुश्किल हो सकता है। इसमें कंपनियों के नतीजे पढ़ने, प्रबंधन पर नजर रखने और बाजार को समझने में काफी समय व मानसिक ऊर्जा लगती है। ऐसे में सीधे शेयरों को पोर्टफोलियो के छोटे हिस्से (अधिकतम 10 फीसदी) तक सीमित रखने की सलाह दी जाती है। इसके विपरीत, म्यूचुअल फंड व्यस्त पेशेवरों के लिए बेहतर हैं। यहां पेशेवर फंड मैनेजर हजारों निवेशकों का पैसा विभिन्न शेयरों में लगाते हैं, जिससे निवेशक को बाजार पर रोज नजर रखने की आवश्यकता नहीं रहती। लंबी अवधि के लक्ष्यों (सात साल से अधिक) जैसे रिटायरमेंट के लिए म्यूचुअल फंड सुविधा और निरंतर वृद्धि का अच्छा मेल हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) से नियमित और स्वचालित निवेश की सुविधा देते हैं, जो बाजार के उतार-चढ़ाव को कम करता है। कर और ब्रोकरेज शुल्क में भी यह अक्सर अधिक सुविधाजनक होते हैं। विशेषज्ञ कोर और सैटेलाइट रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं- 90 फीसदी निवेश म्यूचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में, जिससे जोखिम संतुलित रहता है और सीधे निवेश की इच्छा भी पूरी होती है।

सस्ते आईपीओ में निवेश करने वालों को मिला शानदार रिटर्न

ऑफर फॉर सेल वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया

नई दिल्ली।

जनवरी से अगस्त 2023 के दौरान शेयर बाजार में कम मूल्यांकन वाले आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। जिन कंपनियों ने नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई, वहां निवेशकों को खास तौर पर दीर्घकालिक फायदा मिला, जबकि अधिक मूल्यांकन वाले और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया। इस साल कम कीमत वाले आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार फायदा हुआ है, खासकर जब आईपीओ से जुटाई गई रकम सीधे कंपनी के पास गई हो, न कि मौजूदा शेयरधारकों के पास। कैपिटालाइन और प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, 20 गुना से कम प्राइस टू अर्निंग (पीई) अनुपात वाले 12 आईपीओ ने 29 सितंबर तक औसतन 45.4 फीसदी का रिटर्न दिया। इनमें से नौ आईपीओ ने मुख्य रूप से नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई थी और उन्होंने औसतन 51.3 फीसदी रिटर्न दिया। इन शेयरों में ज्यादातर बढ़त सूचीबद्धता के बाद हुई, जो औसतन 5.3 फीसदी प्रीमियम पर खुले और तब से सूचीबद्धता के दिन के बंद भाव से औसतन 35.2 फीसदी ऊपर चढ़े हैं। पाईपर सेरिका के एक अे धिकारी ने बताया कि ज्यादा वैल्यूएशन वाली लिस्टिंग और केवल ओएफएस वाले आईपीओ में निवेशकों के लिए कमाई की गुंजाइश कम बचती है। इसके विपरीत, जिन इश्यू की कीमत कमाई का 30-50 गुना थी, उन्होंने सबसे ज्यादा औसत रिटर्न (58.8 फीसदी) दिया, लेकिन उनका अधिकांश फायदा लिस्टिंग के दिन ही मिल गया। लिस्टिंग के बाद उनमें केवल 10.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, 100 गुना से अधिक कीमत वाले तीन इश्यू ने औसतन सबसे कम 20.8 फीसदी का रिटर्न दिया, जिसमें 133.2 गुना कीमत वाला लीप इंडिया का शेयर अपनी पेशकश कीमत से 13.5 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है।

एप्पल तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है 13 अक्टूबर को

नई दिल्ली ।

आगामी 13 अक्टूबर को एप्पल कंपनी अपने स्मार्ट होम सेगमेंट को मजबूत करने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस दिन तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है। एप्पल का लंबे समय से प्रतीक्षित स्मार्ट होम हब होमपैड इसमे प्रमुखता से शामिल है। इसके अलावा होमपैड मिनी का एक नया संस्करण और अपडेटेड एप्पल टीवी भी पेश किए जाने की संभावना है। यह लॉन्च एप्पल के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि होमपैड कंपनी को एक नई प्रोडक्ट कैटेगरी में लाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इन तीनों डिवाइस में एप्पल की नई सिरी एआई तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। होमपैड स्मार्ट होम हब में लगभग 6 इंच की स्क्रीन, सिरी एआई, आवाज और चेहरे की पहचान जैसी उन्नत सुविधाएँ मिल सकती हैं।

सेंसेक्स को 71,000-71,200 के स्तर पर सपोर्ट मिलने की संभावना, निफ्टी के लिए 22,800 का टारगेट- एक्सपर्ट्स

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार ने लगातार आठवें सप्ताह गिरावट के साथ कारोबार समाप्त किया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी संकेतकों के आधार पर निकट अवधि में राहतभरी तेजी (रिलीफ रैली) देखने को मिल सकती है।इतिहास पिछले सप्ताह बाजार में कमजोरी का दौर लगातार जारी रहा। सोमवार को सेंसेक्स 1.52 प्रतिशत गिरा और इसके बाद भी बिकवाली का दबाव बना रहा। गुरुवार को सूचकांक में 0.79 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज हुई। पूरे सप्ताह में सेंसेक्स 1,670.84 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली, ऊंची बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतों में ताजा उछाल ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सत्र के अंत में सेंसेक्स 570.59 अंक यानी 0.79 प्रतिशत गिरकर 71,909.70 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 71,292.88 के स्तर तक फिसल गया, जो इसका नया 52-सप्ताह का निचला स्तर रहा। वहीं निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत गिरकर 22,421.95 पर बंद हुआ। ज़्यादा जानें शहर

समाचार ह्द्र2ह्य समाचार बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, फिलहाल सेंसेक्स अपने प्रमुख मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहा है। यह 50-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) 75,544.56 और 200-दिवसीय ईएमए 77,684.60 से काफी नीचे है, जो बाजार में कमजोरी का संकेत देता है।

हालांकि तकनीकी विश्लेषकों का कहना है कि सेंसेक्स के लिए 71,000 से 71,200 के बीच का क्षेत्र एक महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

रविवार 4 अक्टूबर को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे वाहन चालकों को मामूली राहत मिली है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में ईंधन पुराने दाम पर ही उपलब्ध है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। यह स्थिरता सरकारी तेल कंपनियों के पंपों पर लागू है। देश के अन्य बड़े शहरों जैसे मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए करों और स्थानीय शुल्कों के कारण भिन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें और रुपए-डॉलर विनिमय दर भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालांकि, एक अलग खबर में, निजी तेल कंपनी नायरा एनर्जी ने 3 अक्टूबर को अपने पंपों पर पेट्रोल में 5 रुपये और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। यह वृद्धि केवल निजी कंपनी के आउटलेट्स पर लागू थी और सरकारी तेल कंपनियों के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इस्पात मंत्रालय का निर्देश- सेल और एनएमडीसी विदेशों में तलाशेंगे खनिज संपत्ति

दीर्घकालिक कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और उत्पादन लागत को नियंत्रित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत के इस्पात मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एनएमडीसी लिमिटेड को विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज और अधिग्रहण करने का निर्देश दिया है।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश में इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना और लागत पर नियंत्रण रखना है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। इस्पात उत्पादन के लिए लौह अयस्क और कोकिंग कोयला दो प्रमुख कच्चे माल हैं, जिनमें से भारत अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत आयात करता है।

यह कोयला मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया और मोजाम्बिक जैसे देशों से आता है। इसी तरह, कुछ चूना पत्थर भी आयात किया जाता है। विदेशी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से भारत की इस आयात निर्भरता को कम करने और भविष्य की कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। निजी क्षेत्र में, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियां पहले ही विदेशों में कोकिंग कोयला परिसंपत्तियां हासिल कर चुकी हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 50 फीसदी कच्चे माल की जरूरत को अपने स्रोतों से पूरा करना है। एनएमडीसी, जो मुख्य रूप से लौह अयस्क उत्पादक है, अब अन्य खनिजों की खोज में भी विस्तार कर रही है।

कमजोर बाजार में भी मजबूत दिख रहे चुनिंदा शेयर

निफ्टी की 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट जारी है, जहां निफ्टी 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज कर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, बढ़ती ग्लोबल बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार को दबाव में रखा है। हालांकि, इस कमजोर माहौल में भी, ब्रोकरेज फर्म एक्सिस डायरेक्ट ने तीन ऐसे शेयरों की पहचान की है जिनमें अगले कुछ हफ्तों में 21 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है। बाजार का मौजूदा रुख कमजोर बना हुआ है, निफ्टी लगातार आठवें, तो बैंक निफ्टी लगातार छठे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुए हैं। निफ्टी के लिए 22,200 का स्तर अहम सपोर्ट है, जिसके टूटने पर यह 21,800 तक फिसल सकता है। बैंक निफ्टी के लिए 53,700 का स्तर महत्वपूर्ण है, जिसके नीचे 53,000 तक गिरावट आ सकती है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद, कुछ चुनिंदा शेयरों में तकनीकी रूप से मजबूती दिख रही है। एक्सिस डायरेक्ट ने गैलेक्स सर्फेक्टेंट्स को 2,300-2,254 रुपये की रेंज में खरीदने की सलाह दी है, जिसका लक्ष्य 2,670-2,750 रुपये और स्टॉपलॉस 2,080 रुपये है। एनालिस्ट्स के मुताबिक यह साप्ताहिक चार्ट पर तेजी की कैंडल बनाते हुए बढ़े हुए वॉल्यूम के साथ

पुराने ब्रेकआउट स्तर से ऊपर बढ़ रहा है, और सभी प्रमुख मूविंग एवरेज के ऊपर कारोबार कर रहा है। मैनकाइंड फार्मा को 2,500-2,450 रुपये के बीच खरीदने की सलाह है, जिसका लक्ष्य 2,695-2,760 रुपये और स्टॉपलॉस 2,365 रुपये है। यह स्टॉक भी साप्ताहिक चार्ट पर हायर हाई और हायर लो बना रहा है, जिसमें वॉल्यूम में वृद्धि और प्रमुख मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार इसकी मजबूती दर्शाते हैं। तीसरा शेयर इंजीनियर्स इंडिया (ईआईएल) है, जिसे 300-290 रुपये की रेंज में खरीदने की राय है।

बढ़ती महंगाई पर लगाम कसने के लिए आरबीआई रेपो रेट बढ़ा सकता है- विशेषज्ञ

अक्टूबर में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों ने जताया अनुमान

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की आगामी बैठक से पहले बाजार में ब्याज दरों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। बढ़ती महंगाई पर लगाम कसने के प्रयासों के तहत, कई अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है, जिससे यह दर 5.25 फीसदी से बढ़कर 5.50 फीसदी हो सकती है। एक सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 8 अर्थशास्त्रियों ने अक्टूबर की एमपीसी बैठक में इस बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की है। छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसके फैसले की घोषणा 7 अक्टूबर को की जाएगी। यह बढ़ोतरी फरवरी 2023 के बाद पहली होगी, जबकि आरबीआई ने पिछली चार बैठकों में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर बनाए रखा था। गौरतलब है कि 2025 में कुल 125 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई थी। रेपो रेट में संभावित वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ती खुदरा और थोक महंगाई है। अगस्त में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.82 फीसदी हो गई थी, जो आरबीआई के 4 फीसदी के मध्यम अवधि लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसी अवधि में थोक महंगाई भी 9.92 फीसदी तक पहुंच गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक तनाव भी भविष्य में महंगाई का दबाव बढ़ने की चिंता बढ़ा रहे हैं। महंगाई पर नियंत्रण के साथ-साथ आरबीआई के सामने आर्थिक विकास को बनाए रखने की चुनौती भी है। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि को देखते हुए, केंद्रीय बैंक को महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधना होगा। आरबीआई ने वित्तीय वर्ष 2027 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.7 फीसदी रखा है। यदि रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंकों के लिए कर्ज की लागत बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर रेपो-लिंक्ड होम लोन और अन्य कर्जों की मासिक किस्तों (ईएमआई) पर पड़ सकता है।

कैनन भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में उतारेगी लिथोग्राफी तकनीक

कंपनी चिप निर्माताओं को तकनीकी सहायता और सेवा केंद्र उपलब्ध कराने की बना रही योजना

नई दिल्ली ।

जापान की इमेजिंग और ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी दिग्गज कैनन भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में उतरने की तैयारी में है।

कंपनी ने भारतीय चिप निर्माताओं को अपनी उन्नत लिथोग्राफी तकनीक और सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए देश में एक सेवा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। कैनन इंडिया के एक अे धिकारी ने इस कदम को भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण के विस्तार के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि कैनन, जो चिप निर्माण में उपयोग होने वाली लिथोग्राफी मशीनों की वैश्विक आपूर्तिकर्ता है, अपनी प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय चिप निर्माताओं को सहयोग देना चाहती है। कंपनी ने भारत में विकसित की जा रही प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से जुड़े पक्षों के साथ बातचीत की है, हालांकि अभी किसी विशेष समझौते की घोषणा नहीं की गई है। अे धिकारी के अनुसार जैसे-जैसे ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी, कैनन के लिए समर्पित प्रौद्योगिकी सहायता और सेवा ढांचा स्थापित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

भारत एशिया में नेटऐप का शीर्ष वृद्धि बाजार-सीईओ

कंपनी बीएफएसआई, विनिर्माण और सरकारी क्षेत्रों में तेज वृद्धि देख रही

लास वेगास ।

डेटा अवसंरचना कंपनी नेटऐप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉर्ज कुरियन ने घोषणा की है कि भारत एशिया में उनकी कंपनी का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। उन्होंने देश में बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई), विनिर्माण, आईटी सेवाएं और सरकारी क्षेत्रों को इस वृद्धि का प्रमुख चालक बताया। कुरियन ने कहा कि नेटऐप भारत में अपने कारोबार विस्तार के और अवसर तलाश रही है। बेंगलुरु स्थित इसका वैश्विक क्षमता केंद्र दुनिया का सबसे बड़ा है, जहां लगभग 4,000 इंजीनियर कार्यरत हैं और यह कंपनी के वैश्विक नवोन्मेषण व प्रमुख अनुसंधान एवं विकास का केंद्र है। भारत के ऑल-फ्लैश भंडारण बाजार में अग्रणी नेटऐप, भारतीय कर्मचारियों व साझेदारों के लिए अवसरों और निवेश में वृद्धि कर रही है। कुरियन ने कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने वाली कंपनियों को पहले अपने डेटा ढांचे को मजबूत करने की सलाह दी, ताकि वे परिसर-आधारित या

क्लाउड-आधारित एआई प्लेटफॉर्म बना सकें।

त्योहारी मांग के लिए ऑटो कंपनियां तैयार, उत्पादन बढ़ा, स्टॉक मजबूत

नई दिल्ली । देश में त्योहारी खरीदारी का मौसम शुरू होने के साथ ही प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कमर कस ली है। कंपनियों ने अपना उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ डीलर नेटवर्क पर भी स्टॉक मजबूत किया है, ताकि बुकिंग के अनुरूप समय पर डिलिवरी सुनिश्चित की जा सके और ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को कम किया जा सके। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के पास त्योहारों से पहले करीब 2.2 लाख लंबित बुकिंग हैं। कंपनी ने दो नई उत्पादन लाइनें शुरू कर अपनी कुल क्षमता 5 लाख वाहन बढ़ाई है। हुंदै मोटर इंडिया ने भी डीलर नेटवर्क में 4-5 सप्ताह का स्टॉक बढ़ाया है और लॉजिस्टिक्स बेहतर की है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन क्षमता 68,000 वाहन प्रति माह तक बढ़ाई है, जिससे आपूर्ति सुधरी और प्रतीक्षा अवधि घटी है। कंपनियों को मजबूत उपभोक्ता धारणा के बल पर इस त्योहारी सीजन में शानदार बिक्री की उम्मीद है। उनका लक्ष्य ग्राहकों को बेहतर उपलब्धता प्रदान कर मांग को बिक्री में बदलना है।

आरबीआई, तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की नई दिशा

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद निवेशकों की नजर मौद्रिक नीति समिति के फैसले पर

मुंबई ।

आठ हफ्तों की लगातार गिरावट से जूझ रहे भारतीय शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत और अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ते ब्याज जैसी प्रमुख घटनाएं बाजार की दिशा तय करेंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतें भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होगी, जिसका फैसला 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आएगा। निवेशक न केवल ब्याज दरों पर समिति के निर्णय का इंतजार करेंगे, बल्कि महंगाई और आर्थिक स्थिति पर केंद्रीय बैंक के रुख को भी करीब से समझेंगे, जो भविष्य की ब्याज दर नीतियों का संकेत देगा। इसी सप्ताह मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे।

दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 8 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेगी। इन नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों से निवेशकों को आईटी क्षेत्र की मांग और कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में शुरुआती संकेत मिलेंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर ब्याज कई साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी का बहिर्प्रवाह हो सकता है, जिसका असर भारतीय बाजारों पर पड़ेगा। उधर, पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है, जो भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए चिंताजनक है।

त्योहार सीजन में कंपनियां दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर आशान्वित

प्रीमियम मांग, आसान ईएमआई और अपग्रेडेशन पर फोकस से मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले एयर-कंडीशनर और अन्य उपभोक्ता उपकरणों की कीमतों में 5-8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

यह इस साल की तीसरी वृद्धि है, जो कच्चे माल, माल ढुलाई और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण हुई है। बावजूद इसके विनिर्माता इस बार बिक्री में दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर काफी आशावान हैं। उद्योग का मानना है कि प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग, पुराने उपकरणों को बदलने की जरूरत, आसान मासिक किस्त (ईएमआई) सुविधा और उपभोक्ता धारणा में सुधार से बिक्री को मजबूती मिलेगी।

दक्षिण भारत में ओणम के दौरान मिली अच्छी बिक्री से कंपनियों को नवरात्रि और दीपावली के दौरान भी मजबूत मांग की उम्मीद है। हायर अप्लायंसेज इंडिया को मूल्य के आधार पर त्योहारी बिक्री में 30-35 प्रतिशत और मात्रा में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। वहीं, सोनी इंडिया 15-20 प्रतिशत की वृद्धि देख रही है, जिसमें प्रीमियम टीवी और इमेजिंग उत्पादों का योगदान अहम होगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भी श्राद्ध पक्ष के दौरान पूछताछ में उत्साहजनक रुझान देखा है, जहां लोग नए घर में जाने या मौजूदा घर को अपग्रेड करने के लिए भी उपकरण खरीद रहे हैं। डिशवॉशर और वॉटर प्यूरीफायर जैसी नई श्रेणियों में भी मांग बढ़ रही है। हालांकि कीमतें बढ़ी हैं, ग्राहकों के लिए एक राहत है कि वितरकों और डीलरों ने कीमत बढ़ने से पहले पर्याप्त स्टॉक खरीद लिया था।

गोदरेज के अनुसार यह स्टॉक दीपावली तक पुराने दामों पर बाजार में उपलब्ध रह सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ समय तक नई कीमतों के असर से बचने का मौका मिलेगा। आमतौर पर यह त्योहारी मौसम उपभोक्ता उपकरण बनाने वाली कंपनियों की सालाना बिक्री में 30-40 प्रतिशत का योगदान देता है, और इस बार भी कंपनियों को मजबूत वृद्धि की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नजरें: अनाहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं। अनाहत सिंह जानती थीं कि

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना 'बहुत यथार्थवादी' लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्क्वाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की मलयेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी।

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी को आईजीयू देगा 10 लाख, सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक

जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की अदिति अशोक और दीक्षा डागर को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे।भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

एशियन गेम्स-2026 का हुआ भव्य समापन

कतर को सौंपी गई मेजबानी, भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान

आइची नागोया, एजेंसी। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखीं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई।

नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे।। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर सपोर्ट स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी। भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलयेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई,

जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

दोहा को सौंपी गई मेजबानी की कमान

आइची-नागोया एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान अगले एशियाई खेलों के मेजबान को भी आधिकारिक तौर पर कमान सौंपी गई। समापन समारोह के आखिर में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थान को झंडा और मशाल सौंपी गई। इसके साथ ही कतर का राष्ट्रीय ध्वड फहराया गया। एशियाई खेलों का अगला संस्करण 2030 में दोहा, कतर में आयोजित होगा। समारोह में आइची-नागोया से दोहा को एशियाई खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से सौंपी गई। नागोया में अंतिम जश्न के साथ 16 दिनों तक चले खेलों का समापन हो गया और अब नजरें एशियाई खेल 2030 पर टिकी होंगी।

भारत के किस खेल में कौन से पदक

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
तीरंदाजी	5	2	2	9
एथलेटिक्स	1	9	14	24
बैडमिंटन	0	0	1	1
बॉक्सिंग	3	0	3	6
क्रिकेट	2	0	0	2
गोल्फ	1	1	0	2
हॉकी	2	0	0	2
कबड्डी	2	0	0	2
कुराश	0	0	1	1
मार्शल आर्ट्स	0	0	1	1
रोइंग	0	0	1	1
सेलिंग	0	1	2	3
सेपकटकरा	0	0	1	1
शूटिंग	3	8	4	15
सॉफ्ट टेनिस	0	0	1	1
स्क्वैश	0	2	3	5
टेबल टेनिस	0	0	1	1
वेटलिफ्टिंग	0	1	0	1
कुश्ती	2	2	2	6
वुशू	0	1	0	1

दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रन चेज: शाई होप ने मचाई तबाही

न्यू चंडीगढ़। शाई होप की कप्तानी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने तीसरे और आखिरी वनडे में भारत को पांच विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 351 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था, लेकिन वेस्टइंडीज ने कप्तान होप की नाबाद 162 रन की तूफानी पारी के दम पर 48.2 ओवर में पांच विकेट खोकर 352 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। यह वनडे में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। हालांकि, शुरुआती दोनों मुकाबले जीतने के कारण भारत ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

भारत के लिए केएल राहुल ने नाबाद 129 रन की शानदार पारी खेली, जबकि रोहित शर्मा 92 रन बनाकर आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ ने भी 57 रन बनाए। इन पारियों की बदौलत भारत ने 350 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन शाई होप के सामने भारतीय गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। होप ने 143 गेंदों पर 162 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

विश्वकप के लिए अब नहीं होगा प्रयोग: गिल

चंडीगढ़। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम की, लेकिन कप्तान शुभमन गिल के लिए यह सीरीज सिर्फ जीत तक सीमित नहीं रही। टीम को लगातार चोटों और व्यस्त कार्यक्रम के कारण अपनी पूरी ताकत वाली प्लेइंग-11 उतारने का मौका नहीं मिला। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के कारण जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे नियमित खिलाड़ी टीम के साथ नहीं थे।इसका असर भारतीय गेंदबाजी पर भी दिखा। दूसरे वनडे के दौरान तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी चोटिल होकर इस सूची में शामिल हो गए। गिल का मानना है कि 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए अब प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। उम्मीद है कि हम जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं वे सभी खिलाड़ी अगली श्रृंखला से टीम में होंगे और हम विश्व कप में जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं उसी के साथ खेलना शुरू करना चाहते हैं।'

भारत के सामने 2027 विश्व कप से पहले सीमित संख्या में ही वनडे मुकाबले हैं। ऐसे में गिल चाहते हैं कि जिन खिलाड़ियों के विश्व कप टीम में होने की संभावना है,

उन्हें लगातार साथ खेलने का मौका मिले। कप्तान ने माना कि मुख्य गेंदबाजों की गैरमौजूदगी टीम के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रही। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि इससे नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का मौका मिला। गिल ने कहा, 'चोटों और अन्य मुकाबलों के आसपास व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम उस गेंदबाजी क्रम के साथ नहीं खेल पाए जिसके साथ हम खेलना चाहते थे।'

विकेट नहीं मिलने से बढ़ी परेशानी

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीनों वनडे में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले के दौरान नियमित रूप से विकेट हासिल नहीं कर सके। तीसरे वनडे में भी इसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने नाबाद 162 रन की शानदार पारी खेली और 352 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम के लिए यह हार इसलिए भी निराशाजनक रही क्योंकि बल्लेबाजों ने बड़ा स्कोर खड़ा किया था। लेकिन गेंदबाजी में शुरुआती सफलता नहीं मिलने से वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करने का भरोसा मिला।

राहुल ने धोनी की बराबरी की, युवराज का रिकॉर्ड तोड़ा

न्यू चंडीगढ़। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में दमदार बल्लेबाजी की। राहुल को इस सीरीज में पहली बार बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने जमकर गेंदबाजों की धुनाई की। राहुल ने नाबाद शतक लगाया जिससे भारत बड़ा लक्ष्य देने में सफल रहा। इसके साथ ही राहुल ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

भारत ने वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे मैच में 352 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और 50 ओवर में सात विकेट पर 351 रन बनाए। भारत के लिए केएल राहुल ने नाबाद शतक लगाया, जबकि रोहित शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने शुभमन गिल और विराट कोहली के विकेट जल्द गंवा दिए थे।

राहुल ने संभाला मोर्चा

शुरुआती झटकों के बाद रोहित शर्मा और ऋतुराज ने पारी को संभाला। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। रोहित हालांकि, शतक पूरा नहीं कर सके और 92 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, ऋतुराज ने 57 रनों की पारी खेली। इसके बाद केएल राहुल ने मोर्चा संभाला ने शानदार शतक जड़ा। इस सीरीज में राहुल को पहली बार बल्लेबाजी का मौका मिला था और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। राहुल 87 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 129 रन बनाए। वहीं, नमन धीर ने 30, अंशुल कंबोज ने 17 और नीतीश रेड्डी ने 9 रन बनाए। गुरनूर बरार 8 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन सील्स को तीन विकेट मिले, जबकि कीमो पॉल को दो और गुडाकेश मोती को एक विकेट मिला। इसके अलावा राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में भारत के पांचवें नंबर के बल्लेबाज द्वारा सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का युवराज सिंह का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। राहुल ने युवराज के 2005 में कोलंबो में बनाए गए 110 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। राहुल ने अपनी पारी के दौरान शुरुआत में मध्य ओवरों में क्रीज पर टिककर एंकर की भूमिका निभाई, स्ट्राइक को रोटेट किया और विरोधी गेंदबाजों की गलतियों का फायदा उठाकर बाउंड्री बटोरीं। पारी के अंतिम क्षणों में उन्होंने अपने अंदाज में गियर बदला और भारत का स्कोर 350 के पार तक पहुंचा दिया।

पांचवें स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए लगाया चौथा शतक

केएल राहुल ने भारत के लिए पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वनडे शतकों की खास सूची में धोनी की बराबरी कर ली है। राहुल अब धोनी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं, जिनके नाम इस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए चार शतक हैं। मुल्लानपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 87 गेंदों पर नाबाद 129 रनों की तूफानी पारी खेली। भारत के लिए पांचवें नंबर के बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 99 मैचों में सात शतक जड़े हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 4029

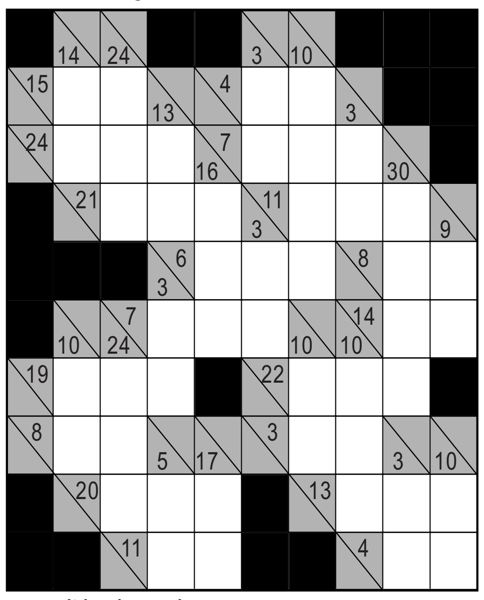

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

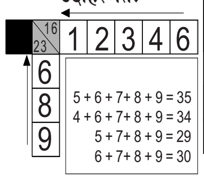

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4028 का हल

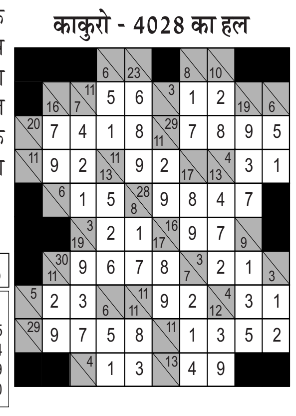

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'
'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'
'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए!'

एक सेठ बीमार पड़ गया.
डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'
'लगभग बीस हजार !'
'और क्रिया-कर्म में ?'
'लगभग पांच हजार !'
'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'
महेश-'पागल था वह ?'
रमेश-'वह कैसे ?'
महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

फिल्म वर्ग पहेली - 4029

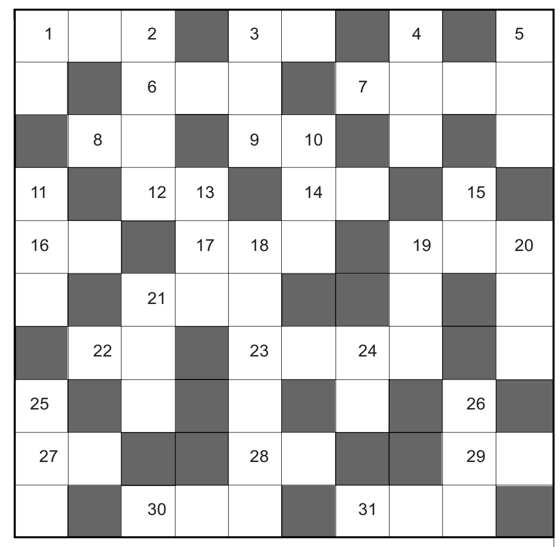

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 4028

सूडोकु -4029

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4028 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4029

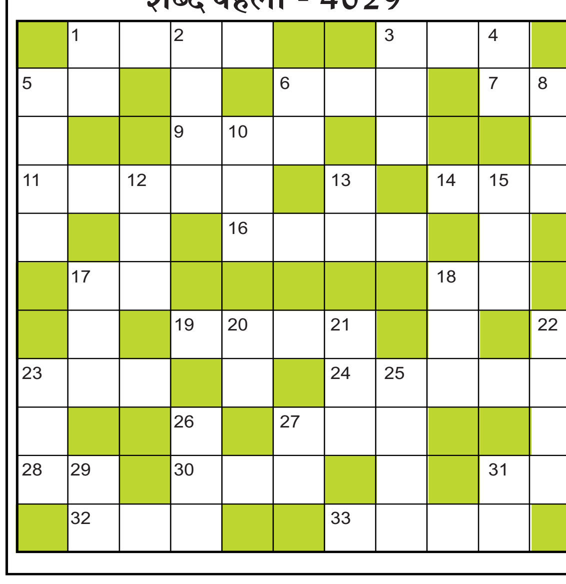

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -4028 का हल

रेसिपी

मसाला ब्रेड

सामग्री

- 4 ब्रेड पीस
- बटर: 2 टेबलस्पून
- जीरा: 1/2 टीस्पून
- सूखी लाल मिर्च: 1 टेबलस्पून
- लहसुन पेस्ट: 1 टीस्पून
- 2 प्याज
- 1 शिमला मिर्च
- 2 टमाटर
- 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
- नूडल्स मसाला: 1 टेबलस्पून
- बारीक धनिया: 1/2 कप
- नींबू का रस: 1/2 टीस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

मसाला ब्रेड बनाने के लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च को बारीक-बारीक काट लें। अब मध्यम आंच पर पैन में बटर गर्म कर लें। इसमें प्याज डालकर फ्राई कर लें। प्याज को हल्का ही भूनें। अब सूखी लाल मिर्च-लहसुन पेस्ट डालकर 1 मिनट तक पका लें। इसमें शिमला मिर्च डालकर नरम होने तक अच्छे से पका लें। इसमें टमाटर, नूडल्स मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर मिक्स कर लें और 1 से 2 मिनट तक मध्यम आंच पर पका लें। अब ब्रेड के छोटे-छोटे टुकड़े कर के मसाले में डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब ऊपर से नींबू का रस डालकर मिक्स कर लें। तैयार है मसाला ब्रेड। इसे गर्मागर्म सर्व करें।

चीज के पारे

सामग्री

- चीज (कद्दूकस किया हुआ): 1 कप
- मैदा: 1 कप
- मक्खन: 2 टीस्पून
- शक्कर: 1/4 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- बेकिंग सोडा: 1/4 टीस्पून
- दूध: जरूरत के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार
- तेल: तलने के लिए

विधि

चीज के पारे बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन लें। अब इसमें मैदा और चीज डालकर मिला लें। अब मक्खन, नमक, चीनी, बेकिंग सोडा और काली मिर्च पाउडर डालकर मिला लें। अब दूध को डालते हुए हल्का सख्त आटा गूंथ लें और 30 मिनट के लिए अलग रख दें। अब आटे की बड़े-बड़े आकार में लोई बना लें। अब एक लोई को रोटी से बड़ा बेल लें। चाकू या कटर की मदद से रोटी को चौकोर आकार में काट लें। एक कड़ाही में तेल गर्म करने के लिए रखें। अब कटे हुए चीज पारे को हल्का गोल्डन होने तक तल लें। तैयार हैं चीज पारे। इन्हें चाय के साथ सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए राघव जुयाल ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट

एक्टर राघव जुयाल ने अपने द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए एक बेहद दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म के हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस इमोशनल नोट ने दोनों एक्टर्स के बीच स्क्रीन के बाहर की खास बॉन्डिंग की भी झलक दिखा दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस नोट में राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में से एक बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए एक 'सेफ प्लेस' बन गए। उन्होंने बताया कि नानी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी में किस तरह अहम भूमिका निभाई है।

राघव ने बताया कि जब भी करियर और जिंदगी को लेकर वह किसी उलझन में रहे, नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे। दोनों अक्सर घंटों सिनेमा, करियर, जिंदगी और काम से आगे की तमाम चीजों पर बातें करते थे। राघव ने यह भी बताया कि नानी ने उन्हें अपने करियर से जुड़े फैसलों को बेहतर तरीके से समझने और इंडस्ट्री में आगे बढ़ते हुए खुद को वैसा ही इंसान बनाए रखने में मदद की, जैसा वह रहना चाहते हैं।

अपने इस इमोशनल नोट में राघव ने लिखा, 'जिंदगी में कुछ ही ऐसे लोग होते हैं, जो बिना जाने ही आपके लिए आपकी सेफ प्लेस बन जाते हैं। मेरे लिए नानी दादा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। मैंने कई बार कोशिश की है कि शब्दों में बता सकूं कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं, लेकिन सच कहूं तो मुझे अब भी लगता है कि शब्द कभी काफी नहीं होंगे। मैं आपसे सच में बहुत प्यार करता हूं और आपको बहुत एडमायर करता हूं। सिर्फ एक एक्टर या आर्टिस्ट के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी। इस इंडस्ट्री में, जहां कई बार चीजें काफी अनिश्चित और शोर से भरी लगती हैं, ऐसे कई पल आए हैं जब मैं खुद को पूरी तरह खोया हुआ महसूस करता था। और पता नहीं कैसे, जब भी मैं ऐसे किसी क्रॉसरोड्स पर खड़ा हुआ, आप हमेशा मेरे साथ रहे, नानी दादा। दादा, आपने मुझे बैठाकर घंटों बात की है।

सिनेमा के बारे में, मेरे करियर के बारे में, जिंदगी के बारे में और कभी-कभी बिना किसी खास वजह के भी। आपने मेरी बातें सुनीं और मुझे समझा। आपने मुझे कभी इस बात के लिए छोटा महसूस नहीं कराया कि मैं कन्फ्यूज हूं या इमोशनल हूं। और हर बार आपसे बात करने के बाद मेरे दिल का बोझ थोड़ा हल्का जरूर महसूस हुआ। जिस तरह आपने हमेशा मेरे लिए जगह बनाई, मेरी बातें सुनीं और बस मेरे साथ रहे, उसके लिए शुक्रिया।

कुछ लोग आपको एडवाइस देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो आपको महसूस कराते हैं कि आपको सच में समझा गया है और साथ ही आपको एक नया पर्सपेक्टिव भी देते हैं। नानी दादा, आपने मुझे दोनों चीजें दीं। आपने मुझे समझने में मदद की कि मैं किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूं, कौन से चॉइसेस लेना जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी, उन फैसलों के बीच मुझे किस तरह का इंसान बने रहना है।

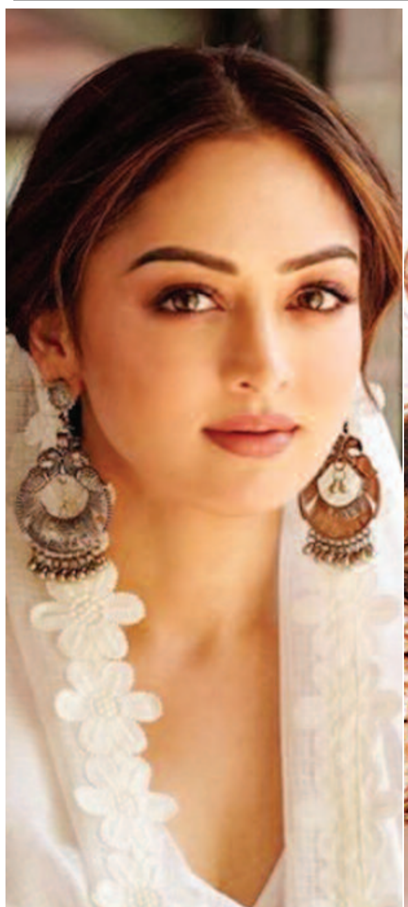

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं

मुंबई संदीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें 'चुंबक' का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है। शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टीरियो टाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निभाए गए ट्विंकल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर किए गए इस अलग नजरिए की तारीफ की। संदीपा ने कहा, यहां हमारे पास ट्विंकल (हेली शाह) है, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अव्वल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें। संदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है। महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक स्पेस देने के साथ, चुंबक ने संदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली रीडिंग से ही काफी रिफ्रेशिंग लगा।

उर्वशी रौतेला ने एआई कंपनी से मांगा सात हजार करोड़ का हर्जाना, मिला जवाब

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अमेरिका की एक एआई कंपनी बॉलीवुड एआई पर कानूनी कार्रवाई की बात कही है। एक्ट्रेस का आरोप है कि कंपनी ने बिना उनकी अनुमति के उनकी तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल किया है। इस मामले पर कंपनी की तरफ से भी जवाब दिया गया।

क्या कहा उर्वशी की टीम ने

उर्वशी रौतेला ने लॉस एंजेलिस बेस्ड एआई कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। एक्ट्रेस ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दावा किया है कि बिना उनकी अनुमति लिए कंपनी ने उनकी फोटोज और वीडियो का उपयोग किया है। उर्वशी की टीम ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'हम लॉस एंजिल्स स्थित इस कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। इससे हुए नुकसान की कीमत फिलहाल 7,000 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। उन्होंने उर्वशी की फोटोज और वीडियो का उपयोग करके कई अरबों डॉलर का कारोबार खड़ा किया है। आप अपना ब्रांड बनाएं, कंपनी बनाएं मगर उर्वशी का नाम उससे दूर रखें तब तक आपने उनसे अनुमति न ली हो।'

एआई कंपनी के सीईओ ने क्या दिया जवाब

मामले पर बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड एआई कंपनी के संस्थापक और सीईओ शीराज हसन ने भी जवाब दिया। शीराज ने भी एक पोस्ट जारी कर सफाई देते हुए लिखा, 'उर्वशी, हमने तुम्हारे मुंह में ये शब्द नहीं डाले। मैं तुम्हें सलाह देता हूं कि जवाब देने से पहले एआई और बॉलीवुड के मनोरंजन जगत के भविष्य के बारे में अच्छी तरह से जानकारी हासिल कर लो।'

शीराज ने आगे लिखा, 'बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड. एआई मनोरंजन का भविष्य हैं। एआई फिल्में, वर्टिकल ड्रामा और ऐसे डिजिटल सितारे, जो कभी बूढ़े नहीं होते, कई भाषाएं बोलते हैं, 24 घंटे काम करते हैं और जिनका कोई अहंकार नहीं होता। आप अपने जवाब से लड़ सकती हैं, लेकिन आने वाले बदलाव से नहीं लड़ सकतीं। इसे अपनाइए। बॉलीवुड में मनोरंजन उद्योग का विकास हो रहा है।'

एआई पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला

कुछ दिन पहले एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला से बॉलीवुड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में सवाल पूछे गए थे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि एआई बॉलीवुड को प्रभावित कर रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें हिंदी फिल्म उद्योग से प्यार है।

करण जौहर ने 'कॉफी विद करण' के फाइनल सीजन का किया ऐलान

फिल्ममेकर और टीवी होस्ट करण जौहर का पॉपुलर सेलिब्रिटी चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। करण जौहर ने शो के फाइनल सीजन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह शो के सफर को याद करते हुए काफी इमोशनल नजर आए। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ''मुझे लगता है कि हमें बात करनी चाहिए, कॉफी पर... 'हॉटस्टार स्पेशल्स: कॉफी विद करण सीजन 9' का प्रीमियर 14 अक्टूबर से जियोस्टार पर होगा।'' वीडियो में करण ने शो शुरू होने के पीछे की कहानी शेयर की। उन्होंने कहा, ''यह जून 2004 की बात है, जब मैंने अपने पिता यश जौहर से कहा था कि मैं एक टॉक शो होस्ट करना चाहता हूं। मैं दो सेलिब्रिटीज या स्टार्स को बुलाकर उनके साथ खुलकर बातचीत करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी तरफ देखा और मजाकिया अंदाज में पूछा- 'करण तुम अपने दोस्तों को बुलाकर उनसे बातें ही तो करोगे, फिर कोई इसके लिए पैसे क्यों देगा?'''

हिंदी फिल्में बनाना सबसे जटिल

अभिनेता अजय देवगन का फिल्मी सफर तीन दशक लंबा रहा है। हाल ही में फिक्की (एफआईसीसीआई) के समारोह में शामिल होने के दौरान उन्होंने हिंदी फिल्में बनाने को सबसे जटिल बताया।

अजय देवगन हाल ही में फिक्की द्वारा आयोजित दो दिवसीय समारोह में शामिल हुए। जहां उन्होंने हिंदी सिनेमा और 1990 के दशक के एकल-स्क्रीन युग से लेकर मल्टीप्लेक्स के बढ़ते प्रभाव और अब सिनेमाघरों, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, शहरों, कस्बों और सोशल मीडिया में बदलाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी अन्य सिनेमा से श्रेय नहीं छीन रहा हूं। चाहे आप इसे पारंपरिक सिनेमा कहें या अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा मेरा मतलब है कि वहां फिल्में बनाना उतना ही मुश्किल है। लेकिन मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है, क्योंकि आपको पता नहीं होता कि आपके दर्शक कौन हैं।' आगे अपनी बाच को स्पष्ट करते हुए अजय ने कहा, 'जब आप कोई पंजाबी फिल्म, तेलुगु फिल्म या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आप दर्शकों को समझते हैं। क्योंकि यह एक विशेष क्षेत्र के लिए होती है। और आप उनकी पसंद को जानते हैं। इसलिए आप उसी दर्शक वर्ग को ध्यान में रखते हैं। हिंदी फिल्म के लिए अच्छा प्रदर्शन करना, मुझे लगता है कि हर 80-90 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है। सोचने का तरीका बदल जाता है। फिर आप जनसमूह, वर्ग, शहरों, शहरी क्षेत्रों की बात करते हैं। आप कस्बे की बात करते हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' में अजय देवगन फ्रैंचाइजी के मुख्य किरदार विजय सलगांवकर के रूप में वापसी कर रहे हैं।

'रिपोर्टिंग लाइव' में फील्ड रिपोर्टर बनेंगी परिणीति चोपड़ा

इबॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में इसी जांच, खतरे और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है।

परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं। यह किरदार उनके लिए इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कहानी में रिपोर्टर सिर्फ खबर कवर करने वाली एक पत्रकार नहीं है, बल्कि वह लगातार एक ऐसे सिस्टम के खिलाफ आगे बढ़ती है, जो अपने अपराधों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म की कहानी में आम लोगों को भी अहम जगह दी गई है। फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है। ध्रुव ने फिल्म को लेकर कहा, ''मेरे लिए 'रिपोर्टिंग लाइव' की घोषणा बेहद खास है। मैं पिछले सात साल से इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ा हुआ हूं। मिहिर जाधव के साथ कहानी लिखने से लेकर इसे स्क्रीन तक लाने तक का सफर मेरे लिए लंबा रहा है और अब फिल्म को दुनिया के सामने लाने का मौका भी खास अनुभव है।''

ध्रुव ने कहा, ''मैं ऐसी थ्रिलर बनाना चाहता था, जो जमीन से जुड़ी और असली लगे, लेकिन कहानी के केंद्र में मौजूद आम लोगों की जिंदगी और उनकी परेशानियों को भी नजरअंदाज न करे। फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू ने इस प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने में अपना अहम योगदान दिया है। अब मैं चाहता हूं कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें और फिल्म से जुड़ें। फिल्म की प्रोड्यूसर पार्थ किरण ठाकुर ने भी 'रिपोर्टिंग लाइव' को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ''फिल्म की कहानी और इसे बड़े स्तर पर पर्दे पर उतारने, दोनों में काफी कुछ दांव पर लगा हुआ था। टीम के पास शुरुआत से ही फिल्म को लेकर एक साफ विजन था और इसे इतने मजबूत कलाकारों के साथ पूरा होते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा।

अमेरिका ने 50 देशों के नागरिकों पर लगाया वीजा बॉन्ड, भारत को मिली छूट

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने 50 देशों की एक सूची जारी की है, जिनके नागरिकों को बिजनेस और टूरिस्ट वीजा के लिए 20,000 डॉलर तक का वीजा बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। इस नियम से भारत को बाहर रखा गया है यानी भारतीय पासपोर्ट धारकों को यह बॉन्ड नहीं देना होगा। हालांकि, दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भूटान और नेपाल इस सूची में शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को उन देशों की अपडेटेड लिस्ट जारी की, जिनके नागरिक अगर बी1/बी2 वीजा के लिए बाकी सभी शर्तें पूरी करते हैं, तो भी वीजा जारी किए जाने से पहले उन्हें बॉन्ड जमा करने के लिए कहा जा सकता है। इस प्रोग्राम के तहत, सूची में शामिल देशों में से किसी एक द्वारा जारी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले आवेदक को 10,000 डॉलर, 15,000 डॉलर या 20,000 डॉलर का बॉन्ड जमा करना होगा।

स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, इस रकम का फैसला वीजा इंटरव्यू के दौरान कांसुलर ऑफि?सर करते हैं। यह नियम भारतीय पासपोर्ट धारकों पर लागू नहीं होता है। अमेरिकी विदेश विभाग की सूची के मुताबिक, बांग्लादेश और नेपाल पर यह नियम 21 जनवरी से, जबकि भूटान पर 1 जनवरी से लागू है। इस सूची में अफ्रीका, कैरेबियाई क्षेत्र, मध्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कई देश भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह प्रोग्राम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट की धारा 221(जी)(3) के तहत चलाया जा रहा है। इस कानून के तहत कांसुलर अधिकारी वीजा जारी करने से पहले आवेदक से बॉन्ड जमा करने के लिए कह सकता है। मौजूदा प्रोग्राम एक अंतिम नियम के तहत शुरू किया गया, जो तीन अगस्त से लागू हुआ।

विदेश विभाग के मुताबिक, किन देशों के नागरिकों पर यह नियम लागू होगा, यह तय करने के लिए अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) की 'एंट्री/एक्जिट ओवरस्टे रिपोर्ट' में दिए गए बी1/बी2 वीजा ओवरस्टे के आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। यानी ऐसे मामलों को देखा जाता है, जिनमें लोग अस्थायी वीजा पर अमेरिका गए लेकिन वीजा के तहत तय समय से ज्यादा वहां रुके। जिन आवेदकों पर वीजा बॉन्ड का नियम लागू होगा, उन्हें डीएचएस फॉर्म आई-352 भी जमा करना होगा। इसके अलावा उन्हें अमेरिकी वित्त विभाग के ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म पे डॉट जीओवी के जरिए बॉन्ड की शर्तों को स्वीकार करना होगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ तौर पर कहा है कि आवेदक कांसुलर अधिकारी के निर्देश मिलने से पहले कोई भुगतान न करें। विभाग ने कहा, 'आवेदक को बॉन्ड जमा करने के लिए फॉर्म आई-352 तभी देना चाहिए, जब कांसुलर अधिकारी उसे ऐसा करने का निर्देश दे।'

वीजा बॉन्ड का पैसा खुद आवेदक या उसकी ओर से कोई तीसरा व्यक्ति जमा कर सकता है। इसमें दोस्त, रिश्तेदार या बिजनेस सहयोगी भी शामिल हो सकते हैं। अगर बॉन्ड से जुड़ी सभी शर्तें पूरी की जाती हैं, तो जिस व्यक्ति ने रकम जमा की है, उसे पैसा वापस मिलेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह भी साफ किया कि बॉन्ड का पैसा जमा करने का मतलब वीजा मिलने की गारंटी नहीं है। वीजा बॉन्ड जमा करने वाले यात्रियों को अमेरिका में आने और वहां से वापस जाने के लिए कुछ अतिरिक्त नियमों का पालन करना होगा। उन्हें कमर्शियल एयरपोर्ट्स का इस्तेमाल करना होगा। इसमें अमेरिकी कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन की प्रीक्लियरेंस सुविधा वाले स्थान भी शामिल हैं। इस प्रोग्राम की शर्तों के तहत, वे आने-जाने के लिए चार्टर विमान, जनरल एविएशन, जमीन के रास्ते या समुद्री बंदरगाहों का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अगर बॉन्ड की शर्तों के संभावित उल्लंघन का मामला सामने आता है, तो उसे यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के पास भेजा जाएगा। यूएससीआईएस तय करेगा कि बॉन्ड की शर्तों का उल्लंघन हुआ है या नहीं। इस वीजा बॉन्ड प्रोग्राम का मकसद उन मामलों को कम करना है, जिनमें लोग अस्थायी बिजनेस या टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका जाते हैं, लेकिन तय समय से ज्यादा वहां रुक जाते हैं। अमेरिकी सरकार डीएचएस के वीजा ओवरस्टे से जुड़े आंकड़ों के आधार पर तय करती है कि किन देशों के नागरिकों पर बॉन्ड की शर्त लागू की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर के गांधी स्मारक सभागार में भारतीय समुदाय ने बापू को दी श्रद्धांजलि

सिंगापुर, एजेंसी। तीन अक्टूबर सिंगापुर में भारतीय समुदाय के नेताओं ने शुक्रवार को 'लिटिल इंडिया' क्षेत्र में स्थित 73 साल पुराने गांधी स्माकर सभागार में गांधी जयंती मनाई जिसमें भारत की उप उच्चायुक्त सुधी चौधरी ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर सुधी चौधरी ने कहा कि गांधी जयंती महात्मा गांधी के जीवन और उनकी विरासत का स्मरण कराती है। 'सिंगापुर इंडियन फाइन आर्ट्स सोसाइटी' (एसआईएफएएस) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय समुदाय ने प्रार्थना सभा की और पारंपरिक भारतीय नृत्य प्रस्तुत किए। चौधरी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा, ''भारतीय संगीत, नृत्य और अन्य कला विधाओं को प्रोत्साहित करने के साथ ही एसआईएफएएस खास तौर पर आज के दिन बापू के चिरस्थायी आदर्शों को सम्मान देने में अहम भूमिका निभाती है।'' उन्होंने कहा, ''ये प्रयास हमारे दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक सेतु का काम करते हैं, जो लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करते हैं और भारत-सिंगापुर की दीर्घकालिक साझेदारी को और समृद्ध बनाते हैं।'' 'एसआईएफएएस न्यासी मंडल' के चेयरमैन एवं पूर्व राजनयिक शब्बीर हसनभाई ने कहा, ''2022 में शुरू की गई एसआईएफएएस छात्रवृत्तियां शिक्षा के प्रति गांधीजी के नज़रिए का सम्मान करती हैं...।'' महात्मा गांधी के दर्शन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात वक्ता डॉ. शोभना राधाकृष्णन ने भी सभा को संबोधित किया। इस भवन का उद्घाटन 1953 में महात्मा गांधी के सम्मान में किया गया था। कार्यक्रम और छात्रवृत्ति वितरण समारोह के दौरान एसआईएफएएस के छात्रों ने भरतनाट्यम की प्रस्तुतियां दीं और पारंपरिक भारतीय संगीत पेश किया।

चीन से तनाव के बीच ताइवान पहुंचे दो एफ-16 लड़ाकू विमान

बीजिंग, एजेंसी। चीन से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका से मिले 66 नए एफ-16वी ब्लॉक 70 लड़ाकू विमानों में से पहले दो विमान ताइवान पहुंच गए। सॉफ्टवेयर संबंधी समस्याओं के कारण इन विमानों के पहुंचने में देरी हुई थी। दोनों एफ-16वी विमान शुक्रवार को ताइतुंग स्थित चियांग एयरबेस पर उतरे। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने इसे ताइवान की हवाई रक्षा क्षमता मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और अमेरिका के समर्थन के लिए आभार जताया।

धरती से ऊपर बसी 14 इन्सानों की दुनिया, दो स्पेस स्टेशनों पर जमावड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में इस समय 14 इन्सान एक साथ मौजूद हैं, लेकिन इसे नया रिकॉर्ड कहना सही नहीं होगा। नासा के स्पेसएक्स क्रू-13 के चार सदस्य शुक्रवार की सुबह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे हैं। चीन के तियांगोंग स्पेस स्टेशन पर पहले से तीन एस्ट्रोनॉट मौजूद हैं। इस तरह पृथ्वी की निचली कक्षा में कुल 14 इन्सान एक साथ रहकर काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद सात सदस्यीय एक्सपीडिशन-75 दल में क्रू-13 के चार सदस्य जुड़ गए हैं। इनमें नासा की जेसिका वॉटकिन्स और ल्यूक डेलाने, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जोशुआ कुट्रिक और रूस के सर्गेई तेतेर्यातनिकोव शामिल हैं। यहां पांच अमेरिकी, चार रूसी, एक कनाडाई और एक फ्रांसीसी एस्ट्रोनॉट-कॉस्मोनॉट हैं। जो पौधों की वृद्धि और तकनीकी प्रयोगों पर काम करेंगे।

नोबेल के लिए अंतरिक्ष से भी लिए जाएंगे नामांकन

वाशिंगटन, एजेंसी। अब नोबेल शांति पुरस्कार केवल जमीन पर मौजूद नेताओं या संगठनों तक सीमित नहीं होगा, बल्कि इसके लिए अंतरिक्ष से भी दावेदारी पर विचार किया जा रहा है। ओस्लो के पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के हाकोन गजेर्लोव और शॉन डेविस ने कहा कि नॉर्वेजियन नोबेल समिति के इस साल के 287 नामांकनों में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का नाम शीर्ष सूची में शामिल हो सकता है।

ट्रंप प्रशासन को झटका: टेक्सास में बॉर्डर वॉल परियोजना पर कोर्ट ने लगाई रोक; फैसले से किसे मिली राहत?

वाशिंगटन, एजेंसी। टेक्सास की संघीय अदालत ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया। इसमें डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को राज्य के बिग बेंड इलाके में बॉर्डर वॉल (अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर बनाई जा रही दीवार) और दूसरी बुनियादी सुविधाएं बनाने से फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला इस इलाके के जमीन मालिकों, कारोबारियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी जीत है। ये सभी प्रस्तावित निर्माण परियोजनाओं का विरोध कर रहे हैं। ये परियोजनाएं ट्रंप प्रशासन की 46 अरब डॉलर की योजना का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर कई तरह की सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी है। इसमें 30 फुट ऊंची स्टील की दीवारें शामिल हैं। इसके अलावा वाहनों को रोकने वाली बाधाएं, सड़कें और निगरानी की तकनीक भी लगाई जानी है।

कोर्ट ने रोक लगाने की क्या वजह बताई : जज कैथलीन कार्डोन ने अपने आदेश में कहा कि याचिका दायर करने वालों के कम से कम एक दावे पर जीतने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगर रोक नहीं लगाई गई, तो याचिकाकर्ताओं को गंभीर और ऐसा नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपाई बाद में नहीं की जा सकेगी।

जज ने यह भी कहा कि मामले में दोनों पक्षों के हितों को देखने और जनता के हित को ध्यान में रखने पर फैसला याचिकाकर्ताओं के पक्ष में जाता है। सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग (सीबीपी) और गृह सुरक्षा विभाग ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

विरोध करने वालों का क्या तर्क है : बॉर्डर वॉल परियोजना के विरोधियों का कहना कि टेक्सास का बिग बेंड इलाका बहुत दूर-दराज है। यहां का भू-दृश्य भी बेहद ऊबड़-खाबड़ है। उनका कहना है कि यह इलाका खुद ही अवैध प्रवास को रोकने का काम करता है। विरोधियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन ने कानून का उल्लंघन किया है। उनके अनुसार, प्रशासन ने कई नियमों को दरकिनार करने के लिए बड़े पैमाने पर छूट दी। इन छूटों के जरिये बॉर्डर वॉल से जुड़ी निर्माण परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश की गई।

याचिका दायर करने वाले संगठन ने क्या कहा : यह मामला सेंटर ऑफ बायोलॉजिकल डायवर्सिटी ने अदालत में उठाया था। संगठन से जुड़े लाइकेन जॉर्डहल ने जज कार्डोन के फैसले को 'पूर्ण जीत' बताया। जॉर्डहल ने कहा कि बुलडोजर अब वापस भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि अदालत जब तक मामले के मूल मुद्दों पर फैसला नहीं करती, तब तक निर्माण आगे नहीं बढ़ेगा। उन्होंने इसे बिग बेंड, टेक्सास और अमेरिकी संविधान के लिए ऐतिहासिक दिन बताया।

यूएस: ट्रंप का दावा- ईरान जंग खत्म होते ही गिरेंगे तेल के दाम, बोले- तेहरान के पास कभी नहीं होगा परमाणु हथियार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध, तेल की कीमतों और अमेरिका में महंगाई को लेकर कई दावे किए हैं। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा। ट्रंप ने महंगाई और 'अफोर्डेबिलिटी' के मुद्दे पर डेमोक्रेटिक पार्टी को निशाना बनाया और दावा किया कि उनके प्रशासन ने कीमतों को नीचे लाने का काम किया है। उनके इन दावों के बीच अमेरिका में ईंधन की कीमतों और ईरान युद्ध के आर्थिक असर को लेकर बहस जारी है। ट्रंप ने कहा कि 'अफोर्डेबिलिटी' यानी चीजों को लोगों की पहुंच में रखना, यह शब्द डेमोक्रेट्स ने दिया है। उन्होंने बहुत बड़ी समस्या पैदा की और इतिहास की सबसे खराब महंगाई दी। हमने तो सिर्फ कीमतों को कम करने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जब ईरान के साथ युद्ध खत्म होगा, जो बहुत जल्द होने वाला है, तो तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी। ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है। हाल ही में जी-7 देशों ने बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच बाजार में 10 करोड़ बैरल तेल और रिफाइंड ईंधन जारी करने की योजना की घोषणा की है। ट्रंप ने अपने बयान में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भी स्पष्ट रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि सबसे पहली बात यह है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। क्योंकि वे पागल हैं। यह काम दूसरे राष्ट्रपतियों को वर्षों पहले ही कर देना चाहिए था या किसी दूसरे देश को करना चाहिए था। ट्रंप पहले भी यह दावा कर चुके हैं कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का प्रमुख उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। अगस्त में भी उन्होंने कहा था कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'अफोर्डेबिलिटी' के मुद्दे पर डेमोक्रेट्स की आलोचना करते हुए कहा कि यह शब्द उनकी पार्टी की ओर से इस्तेमाल किया गया और उनके मुताबिक, पिछली नीतियों ने महंगाई की समस्या पैदा की। ट्रंप ने दावा किया कि उनके प्रशासन ने कीमतों को कम करने के लिए काम किया है।

क्रिप्टोकरेंसी उद्योग के दिग्गज चांगपेंग झाओ: कहा- लोकतंत्र में सुनवाई नहीं, तानाशाह के राज में काम तेजी से

अबू धाबी, एजेंसी। सफेद निसान एसयूवी की ड्राइविंग सीट पर बैठे 49 वर्षीय चांगपेंग झाओ (सीजेड) विंडशील्ड पर आईफोन टिकाकर गाड़ी चलाते हुए खुद को किसी आम कैब ड्राइवर की तरह पेश करते हैं और हंसते हुए कहते हैं ये मेरी लैम्बोर्गिनी है। हकीकत यह है कि यह आम आदमी दुनिया के क्रिप्टोकरेंसी उद्योग का सबसे अमीर और शक्तिशाली शख्स है, जिसकी कुल संपत्ति लगभग 114 अरब डॉलर यानी करीब 10.83 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है।

हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादियों व रूसी सिंडिकेट्स के लिए वित्तीय पनाहगाह बनने के आरोपों में जेल भेजे जा चुके झाओ चार महीने की कैद काटकर बाहर आए हैं। अक्तूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अप्रत्याशित प्रेसिडेंशियल पार्डन (माफी) पाने के बाद झाओ अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी के सादियात द्वीप पर 9 बेडरूम वाले आलीशान विला, चार बॉडीगार्ड्स, शेफ और दा मून नामक लग्जरी यॉट के साथ बेखौफ जिंदगी बिता रहे हैं। वह किसी राष्ट्राध्यक्ष की तरह प्राइवेट जेट से एशिया भर के मुल्कों में घूमते हैं। किर्गिस्तान के राष्ट्रपति के साथ स्कीइंग करते हैं।

ट्रंप के बेटे के साथ गहरे कारोबारी रिश्ते : झाओ के मौजूदा रसूख की सबसे बड़ी बुनियाद दुनिया के दो सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों के साथ उनकी गहरी कारोबारी सांठगांठ है। पिछले साल झाओ की कंपनी बाइनेंस ने ट्रंप और उनके बेटों के क्रिप्टो स्टार्टअप वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ कारोबारी रिश्ता कायम किया। इस कंपनी ने पिछले साल ट्रंप को 79.9 करोड़ डॉलर की कमाई कराई। अमीरात के सरकारी फंड एमजीएक्स ने बाइनेंस में दो अरब डॉलर (करीब 19,000 करोड़ रुपये) का निवेश करने के लिए ट्रंप परिवार के अप्रमाणित स्टेबलकॉइन यूएसडी1 का उपयोग किया। इसके ठीक बाद अमेरिका ने यूएई को एआई चिप्स के निर्यात की मंजूरी दी और अक्तूबर में ट्रंप ने झाओ को माफी दे दी। अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने इसे इतिहास का सबसे निर्लज्ज और अभूतपूर्व भ्रष्टाचार करार दिया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ बातचीत के दौरान जब झाओ की गाड़ी अबू धाबी के राष्ट्रपति भवन कसर अल वतन के सामने से गुजरी, तो उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछली दो सदियों से लोकतंत्र को पवित्र माना जाता रहा है, यदि आपके पास कोई परोपकारी तानाशाह हो, तो व्यवस्था बेहद कुशल हो जाती है।

वहां कोई बेतुकी बहस नहीं होती और फालतू चीजों में समय बर्बाद नहीं होता। झाओ को 2024 में अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के उल्लंघन का दोषी पाया गया और वह कैलिफोर्निया की लोम्पोक जेल में 4 महीने कैद में रहे। उनकी कंपनी पर 4.3 अरब डॉलर (करीब 40,850 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगा, झाओ की यह दास्तान 21वीं सदी के उस बेलगाम वित्तीय पूंजीवाद का सबसे चौंकाने वाला आईना है।

होर्मुज में जहाज पर मिसाइल हमला, 5 भारतीय सवार थे:सभी सुरक्षित; 8 महीने में इस इलाके में 11 भारतीय नाविकों की जान गई

मस्कट, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट में शुक्रवार को एक जहाज पर मिसाइल हमला हुआ। इस जहाज में 5 भारतीय सवार थे। ओमान में भारतीय दूतावास ने शनिवार को बताया कि पांचों भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ये नाविक कुवैत के झंडे वाले टैंकर एमटी काजिमाह III पर सवार थे। यह कच्चे तेल से भरा था और अफ्रीका की ओर जा रहा था। हालांकि, यह हमला किसने किया, यह अभी जानकारी तक सामने नहीं आई। फरवरी से अब तक होर्मुज में हमलो में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, इन हमलों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई।

खाड़ी क्षेत्र में जहाजों पर 4500 भारतीय नाविक : विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इससे पहले मंगलवार को बताया था कि इस क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, इस समय फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 कमर्शियल जहाज हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी हैं, जो भारत के लिए सामान लेकर जा रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, भारत का शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावासों और स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर भारतीय दूतावास नाविकों की सुरक्षा और भलाई के लिए जरूरी कदम उठाते हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा और उनकी भलाई भारत की प्राथमिकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा की 81वीं बैठक में व्यावसायिक जहाजों और नाविकों पर हमलों को लेकर चिंता जताई थी। जयशंकर ने कहा था, समुद्र में नए खतरे पहले से मौजूद जमीन से जुड़े संकटों को और बढ़ा रहे हैं। भारतीय नाविकों के साथ दूसरे देशों के नाविकों की भी जान गई है।

एफबीआई के राज अब होंगे बेपर्दा?: काश पटेल की गोपनीय रिपोर्ट ने बढ़ाई हलचल, कौन से मामलों की फिर से होगी जांच?

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई में एक गोपनीय रिपोर्ट को लेकर हलचल है। इसे पटेल रिपोर्ट कहा जा रहा है। रिपोर्ट एजेंसी के कर्मचारियों के लिए तैयार की गई है। इसमें एफबीआई के इतिहास के उन हिस्सों की समीक्षा की गई है, जहां संस्था के अनुसार उससे चूक हुई। रिपोर्ट की जानकारी एक आंतरिक संदेश से सामने आई है। हालांकि, इसमें किन घटनाओं का जिक्र है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

आखिर पटेल रिपोर्ट में किन मामलों की जांच होगी : रिपोर्ट में एफबीआई के पुराने कामकाज की समीक्षा की गई है। एजेंसी के संदेश के अनुसार, इसका मकसद उन गलतियों को पहचानना है, जिन्हें अतीत में ठीक नहीं किया गया। संदेश में कहा गया है कि जो हुआ उसे बदला नहीं जा सकता। लेकिन उसकी ईमानदारी से समीक्षा की जा सकती है। इसके जरिए कमियों को स्वीकार करने, जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी गलतियां रोकने के उपायों पर जोर दिया गया है।

काश पटेल के नेतृत्व में यह रिपोर्ट क्यों अहम : एफबीआई के निदेशक काश पटेल पहले भी एजेंसी के पुराने नेतृत्व की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने ऐसे अधिकारियों और मामलों की जांच को बढ़ावा दिया है, जिन पर उनके अनुसार एजेंसी के राजनीतिकरण से जुड़े सवाल हैं। उनके कार्यकाल में कई कर्मचारियों को नौकरी से हटाया भी गया है। इनमें कुछ ऐसे

कर्मचारी शामिल थे, जो डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े वर्षों पुराने मामलों की जांच में शामिल रहे थे।

नई रिपोर्ट को लेकर काश पर क्या सवाल उठे : पटेल ने निदेशक बनने से पहले कहा था कि वह पीछे की ओर नहीं देखेंगे। इसके बावजूद उनके कार्यकाल में पुराने अधिकारियों और पुराने मामलों की समीक्षा हुई है। इसी वजह से नई रिपोर्ट को लेकर भी बहस शुरू हुई है। पटेल के समर्थक इसे जवाबदेही की कोशिश के रूप में देखते हैं। उनके आलोचकों का आरोप है कि एफबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक तरीके से किया जा रहा है और पुराने इतिहास को नए नजरिए से पेश करने की कोशिश हो रही है। ये आलोचकों के आरोप हैं। एफबीआई के सह-उप निदेशकों क्रिस्टोफर राइया और एंड्रयू बेली की ओर से कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में रिपोर्ट का बचाव किया गया है। संदेश के अनुसार, पुरानी गलतियों को छिपाने के बजाय उनका सामना करना जरूरी है। इसमें जवाबदेही तय करने और जिन चीजों में कमी रही, उन्हें ठीक करने की बात कही गई है। रिपोर्ट को एफबीआई के एक पुराने अध्याय के अंत और नए अध्याय की शुरुआत के रूप में भी बताया गया है।

अमेरिका: ओहायो के श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला, खिड़कियां टूटीं; जांच में जुटी एजेंसियां

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर ईंटों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर, रिचमंड हाइट्स में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे यह घटना हुई। हमलावरों ने मंदिर की इमारत पर ईंटें फेंकीं, जिससे काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घटना की जानकारी दी। संगठन के अनुसार, घटना के वक्त मंदिर को निशाना बनाया गया और ईंटें फेंके जाने से संरचना को काफी नुकसान पहुंचा। एचएएफ ने बताया कि यह अपमानजनक हमला महात्मा गांधी की जयंती और ओहियो राज्य द्वारा घोषित हिंदू विरासत माह की शुरुआत पर हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज पुलिस के पास, एफबीआई को भी जानकारी हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज उपलब्ध है और अधिकारी उसकी समीक्षा कर रहे हैं। संगठन ने कहा कि मामले की जानकारी एफबीआई और नागरिक अधिकार अधिकारियों को भी दी जा रही है। एचएएफ ने बताया कि वह मंदिर के नेतृत्व के संपर्क में है और जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की है। संगठन ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से

आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने को प्राथमिकता देने की अपील की है।

क्या धार्मिक नफरत से जुड़ा है मामला : एचएएफ ने घटना को संभावित हेट क्राइम बताया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि हमले के पीछे धार्मिक मकसद ही था। किसी संदिग्ध का नाम भी सामने नहीं आया है और गिरफ्तारी की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। संगठन ने अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकारी एजेंसियों से भारतीय और हिंदू-अमेरिकी समुदायों के खिलाफ कथित नफरत भरी बयानबाजी की सार्वजनिक रूप से निंदा करने की भी अपील की है।

पुजारी और श्रद्धालु मंदिर के अंदर मौजूद थे : कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका के मुताबिक, ग्रेटर क्लीवलैंड इलाके में स्थित मंदिर पर ईंटें फेंकी गईं, जिससे उसकी खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय मंदिर के अंदर पुजारी और श्रद्धालु मौजूद थे। हालांकि, संगठन ने यह जानकारी नहीं दी कि हमले में कोई घायल हुआ या नहीं। साथ ही, कितनी खिड़कियां टूटीं, इसका भी सटीक आंकड़ा नहीं बताया गया है।

मेयर से निंदा और पुलिस से कार्रवाई की मांग : कोहना ने रिचमंड हाइट्स की मेयर किम थॉमस और स्थानीय प्रशासन से घटना की निंदा करने की मांग की है। संगठन ने पुलिस से मामले में तेजी से कार्रवाई करने और जिम्मेदार लोगों को पकड़ने की अपील की। यह घटना ऐसे समय हुई है जब ओहायो में हिंदू समुदाय हिंदू हेरिटेज मंथ की शुरुआत कर रहा है।

पहले भी मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं : कोहना ने अमेरिका में हिंदू समुदाय और मंदिरों से जुड़ी पहले की कुछ घटनाओं का रिकॉर्ड भी जारी किया है। इसके अनुसार, अगस्त 2022 में न्यूयॉर्क के क्वींस स्थित श्री तुलसी मंदिर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया था। दिसंबर 2023 में कैलिफोर्निया के नेवार्क स्थित एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में आपत्तिजनक ग्रैफिटी की घटना सामने आई थी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)